



# दिल्ली सरकार के दावों की पोल खोल रही ओल्ड पालम रोड, गड़ों में तब्दील हुई सड़क; लाखों लोग रोज झेलते हैं खतरा

**नईदिल्ली, एजेंसी।** पश्चिमी दिल्ली में द्वारका को नजफगढ़ से जोड़ने वाला बेहद महत्वपूर्ण ओल्ड पालम रोड इन दिनों अपनी बदहाली की स्थिति में है।लोक निर्माण विभाग और स्थानीय प्रशासन की अनदेखी के कारण इस पूरी सड़क पर जगह-जगह जानलेवा गड्ढे में बदल चुकी हैं। दोपहिया, तिपहिया और चार पहिया वाहन चालक इस उबड़-खाबड़ और टूटी सड़क पर अपनी जान जोखिम में डालकर चलने को मजबूर हैं। मौसम चाहे भीषण गर्मी का हो या बरसात का, इस मार्ग पर सफर करना किसी बुरे सपने जैसा हो गया है। यह मार्ग दिल्ली सरकार द्वारा सड़क के हर गड्ढे को भरने और मरम्मत कर दिए जाने के दावों की पोल खोल रही है।

**भारी मात्रा में मिट्टी जमा हो गई:** वर्तमान में गर्मी के मौसम के कारण इन गड्ढों में भारी मात्रा में मिट्टी जमा हो गई है।



जब भी यहां से गाड़ियां गुजरती हैं, तो उड़ने वाली धूल हवा में फैलकर चालकों के लिए बड़ी समस्या खड़ी कर देती है। यह धूल सीधे वाहन चालकों की आंखों में जाती है, जिससे न सिर्फ आंखों में जलन और परेशानी बढ़ती है, बल्कि

सामने देखना भी मुश्किल हो जाता है। इस धूल और गहरे गड्ढों से बचने के चक्कर में वाहन चालक अक्सर अचानक अपनी लेन बदलकर बाएं से दाईं ओर चले जाते हैं। ऐसे में सामने से आ रहे तेज रफ्तार वाहनों से सीधी

टक्कर होने की संभावना हर पल बनी रहती है।

**यह गड्ढे एक फीट तक गहरे:** वहीं, बारिश होने पर तो स्थिति पूरी तरह भयावह हो जाती है। पानी भर जाने के कारण सड़क के ये गड्ढे छिप जाते हैं। कई स्थानों पर तो यह गड्ढे एक फीट तक गहरे हैं, जिसकी वजह से स्कूटी और बाइक जैसे छोटे वाहनों के चालक अनिर्णित होकर गिर जाते हैं। इस मार्ग पर कभी भी कोई बड़ा और जानलेवा हादसा हो सकता है। यह मार्ग केवल दो क्षेत्रों को ही नहीं जोड़ता, बल्कि दिल्ली के एक बहुत बड़े रिहायशी और व्यापारिक हिस्से की लाइफलाइन है। ओल्ड पालम रोड के दोनों ओर द्वारका उपनगरी के विभिन्न सेक्टर जैसे सेक्टर-1, सेक्टर-2, सेक्टर-6 और ककरोला जैसे घने इलाके बसे हैं।

**लाखों लोग रोज होते हैं परेशान:**

इसके अलावा, यह मुख्य सड़क नजफगढ़, पालम गांव, डबरी, उत्तम नगर और द्वारका मोड़ जैसे प्रमुख क्षेत्रों को आपस में जोड़ती है। रोजाना लाखों की संख्या में कामकाजी लोग, स्कूली बच्चे, व्यापारी और आपातकालीन वाहन (एम्बुलेंस) इसी मार्ग का उपयोग करते हैं। स्थानीय निवासियों ने पुरजोर मांग की है कि प्रशासन इस मार्ग की तुरंत मरम्मत कराए। सड़क के गड्ढों से उड़ने वाली धूल आंखों में जाती है। गाड़ी चालना दूभर है, प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। बारिश में एक-एक फीट गहरे गड्ढों में पानी भर जाता है। ओए दिन स्कूटी सवार गिरकर चोटिल हो रहे हैं, तुरंत सुधार हो।

## वायनाड के स्कूल में 150 छात्र बीमार, उल्टी बुखार के बाद 38 बच्चे अस्पताल में भर्ती



**नई दिल्ली एजेंसी।** केरल के वायनाड में कोयलाडी स्थित एक एडेड अपर प्राइमरी स्कूल के लगभग 150 छात्र पिछले तीन दिनों से बुखार और उल्टी का इलाज करा रहे हैं। उन्होंने बताया कि ये बच्चे मार बेसेलियस एडेड अपर प्राइमरी स्कूल के छात्र हैं और इनमें से 38 बच्चों को, जिन्हें लगातार परेशानी हो रही थी, बाथेरी तालुक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

**बच्चों के लिए बनाया गया विशेष वार्ड:** जिला चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि अभी चिंता करने की कोई बात नहीं है और एहतियात के तौर पर स्कूल में एक हफ्ते की छुट्टी घोषित कर दी गई है। अधिकारी ने बताया कि बच्चों के इलाज के लिए बाथेरी तालुक अस्पताल में एक विशेष वार्ड बनाया गया है। जिला चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि छात्रों के अलावा, स्कूल के एक शिक्षक ने भी शारीरिक परेशानी की शिकायत की है।

**बच्चों की मौजूदा स्वास्थ्य स्थिति संतोषजनक- पंचायत अधिकारी:** अस्पताल का दौरा करने वाले पंचायत अधिकारियों ने बताया कि बच्चों की मौजूदा स्वास्थ्य स्थिति संतोषजनक है। उन्होंने कहा कि कुछ बच्चों में 1 जून से ही लक्षण दिखने लगे थे, लेकिन उनकी शारीरिक परेशानी का सही कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।डॉक्टरों ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने नमूने इकट्ठे किए हैं और बच्चों की परेशानी का कारण जानने के लिए उन्हें जांच के लिए भेजा है।

## राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल में हुई 25 मरीजों की सर्जरी

**वाराणसी, एजेंसी।** राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल चौकाघाट में दो दिन तक चली कार्यशाला में बवासीर, फिशर, फिस्टुला इन एनो सहित अन्य बीमारियों से परेशान 25 मरीजों की निशुल्क सर्जरी की गई। इसके साथ ही सर्जरी की विधियों के बारे में भी विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की। आयुर्वेदिक अस्पताल के शल्य विभाग और नीमा सर्जिकल सोसायटी यूपी चैप्टर की ओर से आयोजित सुरुतर्कान के समायन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि डॉ.केके द्विवेदी ने कहा कि आयुर्वेदिक पद्धति से किए जाने वाले उपचार में नई तकनीक के प्रयोग से युवा डॉक्टरों को सहूलियत होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रोफेसर डीके मौर्य ने इस तरह के कार्यशालाओं को उपयोगी बताया। इस दौरान डॉ. आलोक गुप्ता, प्रोफेसर पी हेमंत कुमार, डॉ. अशोक कुमार विश्वकर्मा, प्रोफेसर सुमन यादव, डॉ. मुगांक शेखर, प्रोफेसर लक्ष्मण सिंह, डॉ. अरुण दत्त राजोरिया और डॉ. रघुति सिंह मौजूद रहे।

## अज्ञात वाहन की टक्कर से ऑटो पलटा, चालक घायल

**गोरखपुर , एजेंसी।** एम्स थाना क्षेत्र में गोरखपुर-कुशीनगर मार्ग पर शनिवार दोपहर दो बजे अज्ञात चारपहिया वाहन की टक्कर से एक ऑटो पलट गया। हादसे में ऑटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि उसपर सवार एक महिला बाल-बाल बच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार, मलपुर निवासी धर्मेन्द्र यादव (35) ऑटो लेकर गोरखपुर की ओर जा रहे थे। कुसमही बाजार कस्बे से आगे एक निजी धर्मकांटा के समीप पहुंचते ही पीछे से आए एक तेज रफ्तार अज्ञात चारपहिया वाहन ने ऑटो में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो क्षतिग्रस्त होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में चालक धर्मेन्द्र यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं ऑटो में बैठी एक महिला को कोई गंभीर चोट नहीं आई और वह सुरक्षित बच गई। घटना की सूचना मिलते ही एम्स थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल चालक को उपचार के लिए एम्स अस्पताल भेजवाया। पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान और घटना की जांच में जुटी है।

## ट्रंप की टेक टीम को बड़ा झटका, व्हाइट हाउस के सलाहकार श्रीराम कृष्णन दंगे इस्तीफा

**वाशिंगटन, एजेंसी।** व्हाइट हाउस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नीति के प्रमुख सलाहकार रहे भारतीय मूल के श्रीराम कृष्णन जून के अंत में अपना पद छोड़ देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल में एआई रणनीति तैयार करने में अहम भूमिका निभाने वाले कृष्णन ने खुद सोशल मीडिया पर अपने इस्तीफे की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब वह अमेरिका के सावने एआई से जुड़े बड़े मुद्दों पर नए स्तर पर काम करेंगे। उनके इस्तीफे को ट्रंप प्रशासन की टेक नीति के लिए बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है। श्रीराम कृष्णन ने कहा कि व्हाइट हाउस में काम करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा। उन्होंने कहा कि वह जून के आखिर में अपना पद छोड़ देंगे और कुछ समय के ब्रेक के बाद अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के लिए एआई से जुड़े बड़े संस्थागत काम करेंगे। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व के बिना अमेरिका एआई की वैश्विक दौड़ में आगे नहीं होता। कृष्णन ने अपने 18 महीने के कार्यकाल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि उन्होंने अमेरिकी एआई एक्शन प्लान तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। इसके साथ ही उन्होंने एआई एक्सेलरेशन पार्टनरशिप, राष्ट्रीय एआई नीति फ्रेमवर्क और एआई से जुड़े कई अंतरराष्ट्रीय समझौतों पर काम किया। उन्होंने फ्रांस, भारत, ब्रिटेन और मध्य पूर्व में आयोजित एआई बैठकों का भी जिक्र किया।

**एआई नीति में श्रीराम कृष्णन की क्या थी भूमिका:** श्रीराम कृष्णन ट्रंप प्रशासन की उस टीम का हिस्सा थे जिसने अमेरिका में एआई सेक्टर के विस्तार के लिए रोडमैप तैयार किया। उन्होंने डेटा सेंटर बढ़ाने, एआई निवेश को आसान बनाने और नियमों में ढील देने जैसी नीतियों पर काम किया। माना जाता है कि उन्होंने राज्यों के एआई रेगुलेशन अधिकार सीमित करने वाले प्रस्तावित आदेश को तैयार करने में भी भूमिका निभाई थी। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने कहा कि श्रीराम कृष्णन ने अपने निजी करियर को छोड़कर अमेरिका की तकनीकी ताकत को मजबूत करने के लिए बड़ा योगदान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका को टेक्नोलॉजी और इनेवेशन में वैश्विक नेतृत्व दिलाने में कृष्णन की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही।

**ट्रंप प्रशासन ने एआई पर क्यों बढ़ावा फोकस:** अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार एआई सेक्टर को अमेरिका की रणनीतिक ताकत बता रहे हैं। चीन के साथ बढ़ती तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच अमेरिका एआई, डेटा सेंटर, चिप निर्माण और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर तेजी से निवेश कर रहा है। श्रीराम कृष्णन इसी रणनीति के प्रमुख चेहरों में शामिल हैं। कृष्णन ने अपने बयान में कहा कि आने वाले समय में ऊर्जा, डेटा सेंटर और आम लोगों तक एआई के फायदे पहुंचाना सबसे बड़ी चुनौती होगी। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को मिलकर काम करना होगा।

## राजोकरी फ्लाईओवर पर भीषण हादसा, इनोवा की टक्कर से महिला की मौत, पांच लोग घायल

**नई दिल्ली एजेंसी।** दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के वसंत कुंज साउथ थाना क्षेत्र में रविवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि तीन बच्चों सहित पांच अन्य लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना राजोकरी फ्लाईओवर पर गुरुग्राम की ओर जाने वाले मार्ग पर हुई, जहां एक तेज रफ्तार टोयोटा इनोवा ने पीछे से एक टेम्पो को टक्कर मार दी। पुलिस के अनुसार, 7 जून की सुबह करीब 4:25 बजे पीसीआर कॉल के माध्यम से सड़क दुर्घटना की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही वसंत कुंज साउथ थाना पुलिस की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि टोयोटा इनोवा ने टेम्पो को पीछे से जोरदार टक्कर मारी, जिससे उसमें सवार लोग गंभीर रूप से प्रभावित हुए। हादसे के समय टेम्पो में सवार सभी लोग दिल्ली के सीलमपुर क्षेत्र के निवासी थे और गुरुग्राम स्थित एक मॉडर में दर्शन के लिए जा रहे थे। दुर्घटना में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन बच्चों और दो वयस्क महिलाओं समेत पांच लोग घायल हो गए। टेम्पो चालक को मामूली चोटें आईं। घटना के बाद सभी घायलों और मृतक महिला को सीएटीएस एम्बुलेंस की सहायता से सफदरजंग अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में घायलों का उपचार जारी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घायलों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने क्राइम टीम और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम को भी मौके पर बुलाया।

## राष्ट्रपति ट्रंप ने पूर्व एनएसए को बताया बुरा और भ्रष्ट इंसान, बोले- बेईमानी की कीमत चुका रहे जॉन बोल्टन

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन पर तीखा हमला किया है। ट्रंप ने बोल्टन को एक बुरा और भ्रष्ट आदमी करार दिया है। उन्होंने कहा कि बोल्टन अपनी बेईमानी की सजा भुगत रहे हैं। शनिवार को चैंपेवा फॉल्स की यात्रा के दौरान एयरफोर्स वन विमान में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने बोल्टन की जमकर आलोचना की। ट्रंप ने कहा कि जॉन बोल्टन एक बेईमान इंसान हैं और वह बिल्कुल भी समझदार नहीं हैं। ट्रंप के मुताबिक, बोल्टन को युद्ध करने का बहुत शौक था। वह हर उस व्यक्ति के खिलाफ युद्ध छेड़ना चाहते थे जो उनके



सामने बोलता था। उन्होंने यह भी कहा कि वह कभी बोल्टन के प्रशंसक नहीं रहे और उन्हें केवल एक खास उद्देश्य के लिए काम पर रखा था। ट्रंप ने दावा किया कि बोल्टन ने पूर्व राष्ट्रपति बुश के समय भी बहुत सी समस्याएं खड़ी की थीं। ट्रंप ने

स्पष्ट किया कि बोल्टन की युद्ध वाली सलाहों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता था क्योंकि वह कभी उनकी बात नहीं सुनते थे। ट्रंप ने बोल्टन की किताब का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने सारी जानकारी ली और उसका गलत इस्तेमाल किया। ट्रंप ने कहा कि बोल्टन को पकड़ लिया गया है और अब वह अपनी बेईमानी की कीमत चुका रहे हैं।

**जॉन बोल्टन कस रहा कानूनी शिकंजा:** इस बीच, जॉन बोल्टन पर कानूनी शिकंजा कसता जा रहा है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि बोल्टन गोपनीय दस्तावेजों को गलत तरीके से रखने के मामले में अपना दोष स्वीकार कर सकते हैं।

## जलवायु परिवर्तन से बढ़ा खतरा, यूरोप और उत्तरी अमेरिका तक पहुंच सकता है चिकनगुनिया

**वाशिंगटन, एजेंसी।** कभी चिकनगुनिया को मुख्य रूप से गर्म जलवायु वाले देशों की बीमारी माना जाता था, पर अब वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि जलवायु परिवर्तन इस बीमारी का भूगोल बदल सकता है। बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण ऐसे मच्छरों का दायरा तेजी से बढ़ रहा है जो चिकनगुनिया वायरस फैलाते हैं। इसके परिणामस्वरूप आने वाले दशकों में दुनिया के कई ठंडे क्षेत्र भी इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं। भारत के लिए भी बढ़ सकती है चिंता प्रतिष्ठित जर्नल फ्रंटियर्स इन सेटलुअर एंड इम्पेक्शन माइक्रोबायोलॉजी में प्रकाशित



अध्ययन के अनुसार सदी के अंत तक उत्तर-पूर्वी उत्तरी अमेरिका, मध्य यूरोप और पूर्वी एशिया के कई हिस्से चिकनगुनिया के नए हॉटस्पॉट बन सकते हैं। अध्ययन में भारत के लिए भी चिंता जताई गई है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि बीमारी नए क्षेत्रों में फैलती है तो 1.21 करोड़ भारतीय

इसके जोखिम में आ सकते हैं। लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन, नागासाकी यूनिवर्सिटी और इंटरनेशनल वैक्सीन इंस्टीट्यूट से जुड़े वैज्ञानिकों के एक अन्य अध्ययन के अनुसार, हर साल दुनिया भर में करीब 1.44 करोड़ लोग चिकनगुनिया के जोखिम में हैं। इनमें से करीब 51 लाख लोग भारत में हैं। भविष्य में यह संख्या वैश्विक स्तर पर 3.49 करोड़ तक पहुंच सकती है। एशियाई टाइगर मच्छर बना सबसे बड़ी वजह बीमारी के बढ़ते खतरे के पीछे बड़ी भूमिका एशियाई टाइगर मच्छर, यानी एडीज एल्बोपिक्टस निभा सकता है।

## सिंगापुर को बड़ा फैसला: भारतीय समुदाय को निशाना बनाने वाली ऑनलाइन सामग्री ब्लॉक करने का आदेश



**सिंगापुर, एजेंसी।** भारत में सिंगापुर के उच्चायोग ने शनिवार को घोषणा की कि उनकी सरकार ने सोशल मीडिया साइटों को भारतीय समुदाय को निशाना बनाने वाली सामग्री को ब्लॉक करने का आदेश दिया है। यह सामग्री संभवतः चीन से उत्पन्न हुई थी। सिंगापुर के गृह मंत्रालय के बयान के अनुसार, ऑनलाइन आपराधिक नुकसान अधिनियम 2023 के तहत पुलिस बल ने यूट्यूब, फेसबुक और एक्स पर सामग्री के लिए 'अक्षम करने के निर्देश' जारी किए हैं। ये निर्देश सिंगापुर के बहुसंस्कृतिवाद मॉडल को कमजोर करने वाली सामग्री से

निपटने के लिए हैं। पिछले महीने चीनी सूचना क्षेत्र में सिंगापुर की सांस्कृतिक पहचान पर चिंता संबंधी बातें प्रसारित हुईं। **सामाजिक सद्भाव के लिए बाहरी खतरों पर सख्त एक्शन:** इसके बाद ऑनलाइन सामग्री में सिंगापुर की विविधता पर भड़काऊ बातें सामने आईं। इसमें कहा गया कि सिंगापुर भारतीयों से 'भर गया' है। सिंगापुर सरकार स्वदेशीवाद और विदेशियों के प्रति घृणा का दृढ़ता से विरोध करती है। सरकार सामाजिक सद्भाव के लिए बाहरी खतरों को गंभीरता से लेती है और दृढ़ता से कार्रवाई करेगी।

# इस्त्राइल में लगेगी छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा, जानिए क्या बोले इस्त्राइली राजनयिक

**यरुशलम, एजेंसी।** भारत और इस्त्राइल के बीच सांस्कृतिक और कूटनीतिक रिश्तों को नई मजबूती मिलने जा रही है। इस्त्राइल में जल्द ही छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा और स्मारक स्थापित किए जाएंगे, जिसे दोनों देशों की दोस्ती का प्रतीक माना जा रहा है। इस्त्राइल के कॉन्सुल (राजनयिक) जनरल यानिव रेवाच ने बताया कि यह पहल भारत-इस्त्राइल संबंधों को और गहरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा, उन्होंने लेबनान से होने वाले हमलों के खिलाफ इस्त्राइल की सुरक्षा कार्रवाई का बचाव किया। दोस्ती और प्रेरणा का प्रतीक होगी प्रतिमा यानिव रेवाच के कहा कि यह परियोजना केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक गुडविल प्रोजेक्ट है, जो दोनों देशों के लोगों को जोड़ने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा भारत और इस्त्राइल के बीच दोस्ती और प्रेरणा का स्थायी प्रतीक बनेगी। पिछले फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्त्राइल के दौरे के बाद, हमने तय किया कि हम यहां भारत में एक बड़े



प्रोजेक्ट का उद्घाटन करेंगे। इस विचार ने असल में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के दफ्तर को भी सूचित किया। वह तुरंत मुझसे मिलने के लिए मान गए। सिर्फ इतना ही नहीं, उन्होंने मुझसे कहा कि वह हमारे खूबसूरत प्रोजेक्ट का समर्थन करने और हमारी हर तरफ से मदद करने को तैयार हैं जिसकी हमें जरूरत होगी।

**ऐतिहासिक जुड़ाव से मिली प्रेरणा:** इस्त्राइली राजनयिक ने बताया कि भारत का इतिहास उन्हें बेहद प्रेरणादायक लगा है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के संघर्ष और राष्ट्र निर्माण की कहानियों में कई समानताएं हैं। इसी सोच के तहत इस सांस्कृतिक परियोजना की शुरुआत की गई है, जिसमें शिवाजी महाराज की मूर्ति इस्त्राइल

में स्थापित की जाएगी। इसके अलावा, हम यह भी सोच रहे हैं कि क्या हम शिवाजी की किताब का हिब्रू में ट्रांसलेशन कर सकते हैं, इसका ट्रांसलेशन करें ताकि लोग उनकी स्क्रिप्ट के बारे में जान सकें।

**कला और शिक्षा पर भी जोर:** इस्त्राइल प्रशासन इस परियोजना को केवल प्रतिमा तक सीमित नहीं रखना चाहता। योजना के तहत एक श्रेष्ठ कलाकार द्वारा मूर्ति तैयार की जाएगी और इसे इस्त्राइल के किसी प्रमुख स्थान पर स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा, शिवाजी महाराज के जीवन और विचारों को समझने के लिए उनकी पुस्तक का हिब्रू भाषा में

ज्ञान भारतम् मिशन: सीधी की प्राचीन ज्ञान-संपदा को सहेजने की पहल

# कलेक्टर की अपील-घरों में सुरक्षित पाण्डुलिपियों को सामने लाएं, ज्ञान धरोहर बचाएं

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** ज्ञान भारतम् मिशन के अंतर्गत सीधी जिले के रामपुर नैकिन विकासखंड स्थित ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व के चंद्रहे ग्राम में प्राचीन शिव मंदिर एवं मठ परिसर के समीप एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर विकास मिश्रा ने की इस अवसर पर उपखंड अधिकारी चुरहट विकास आनंद, जिला शिक्षा अधिकारी पी के सिंह, जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी), विनय मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, विद्वान एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे बैठक में जिले में उपलब्ध प्राचीन पाण्डुलिपियों के संरक्षण, पंजीयन एवं संग्रहण के साथ-साथ चंद्रहे स्थित प्राचीन शिव मंदिर एवं मठ के जीर्णोद्धार तथा क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त जिले के सांस्कृतिक,



सामाजिक एवं आर्थिक विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी नागरिकों के साथ विचार-विमर्श किया गया कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि खगोल विज्ञान, ज्योतिष, कर्मकाण्ड, आयुर्वेद, पंचांग तथा भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित अनेक अमूल्य पाण्डुलिपियां आज भी लोगों के घरों में सुरक्षित हैं। जानकारी के अभाव में यह बहुमूल्य धरोहर नष्ट होती जा रही है। उन्होंने आमजन से इन पाण्डुलिपियों के संरक्षण एवं पंजीयन में सहयोग

करने की अपील की ग्रामीण क्षेत्रों में मिला दुर्लभ ज्ञान का खजाना पाण्डुलिपि संरक्षण अभियान के तहत प्रीता शुक्ला द्वारा विभिन्न गाँवों का भ्रमण कर लोगों से संपर्क स्थापित किया गया तथा अनेक महत्वपूर्ण ग्रंथों एवं अभिलेखों की जानकारी संकलित की गई। अभियान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने इसे और व्यापक स्तर पर संचालित करने के निर्देश दिए। अभियान के दौरान ग्राम पैपखरा निवासी विवेक शुक्ला

के यहां से अथ संध्या प्रयोग एवं दैनिक पूजा पद्धति सहित अनेक ग्रंथ प्राप्त हुए। रामजी शुक्ला के यहां से नवग्रह पूजा एवं शिवलिंग स्थापना संबंधी पुस्तकें मिलीं। सतहोरी निवासी रामहेतु द्विवेदी के यहां से हरिचरितर्त्तितामणि ग्रंथ प्राप्त हुआ। भमरहा निवासी उमेश पांडे के यहां से पूजन पद्धति एवं कर्मकाण्ड संबंधी पुस्तकें मिलीं। इसी प्रकार कपुरी निवासी उमेश सिंह के यहां से रीवा राज्य के वंशजों से संबंधित पुस्तक

तथा मत्स्यमयूर नामक ग्रंथ प्राप्त हुआ। हथ्था निवासी संतोष शुक्ला के यहां अठारह पुराण एवं अन्य प्राचीन ग्रंथ सुरक्षित पाए गए, जबकि आशुतोष शुक्ला के यहां से ज्योतिष विषयक अभिलेख प्राप्त हुए। रामनगर निवासी रामानुज तिवारी के यहां से रामनगर: एक एवं शताधिक पुस्तक की हस्तलिखित एवं मुद्रित प्रतियां मिलीं वहीं कपुरी निवासी भरतलाल शुक्ला के यहां से पूजन पद्धति संबंधी ग्रंथ प्राप्त हुआ संग्रहालय स्थापना सहित कई महत्वपूर्ण सुझाव बैठक में उपस्थित नागरिकों एवं विशेषज्ञों ने जिले की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इनमें ज्ञान मंडपम् के माध्यम से पाण्डुलिपियों के संग्रहण एवं संरक्षण तथा एक समर्पित संग्रहालय की स्थापना, वैदिक परंपराओं के संरक्षण हेतु वेद मंत्रों के नियमित पाठ एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम, विद्यार्थियों के लिए भारतीय संस्कृति आधारित प्रतियोगिताओं का आयोजन तथा

स्व-सहायता समूहों के माध्यम से मंदिरों में प्रसाद निर्माण एवं वितरण की व्यवस्था प्रमुख रही इसके अलावा नागरिकों ने पाण्डुलिपियों, प्राचीन मूर्तियों, सती शिलाओं एवं अन्य पुरातात्विक धरोहरों की जानकारी साझा करने के लिए एक समर्पित व्हाट्सएप नंबर जारी करने का सुझाव दिया। बनास एवं सोन नदियों के संगम स्थल पर नियमित आरती एवं पूजा आयोजन की भी अनुशंसा की गई, जिससे धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिल सके ज्ञान-संपदा के संरक्षण का सामूहिक अभियान बैठक में यह संकल्प व्यक्त किया गया कि सीधी जिले की प्राचीन ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक विरासत एवं पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण के लिए प्रशासन एवं समाज मिलकर कार्य करेंगे। साथ ही जिले में उपलब्ध दुर्लभ पाण्डुलिपियों को संरक्षित कर आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

## अवैध खनन एवं परिवहन पर प्रशासन की कार्रवाई, बिना नंबर हाइवा जब्त

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी विकास मिश्रा तथा पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन में जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सिहावल राजेश शुक्ला एवं जिला खनिज अधिकारी कपिल मुनि शुक्ला के मार्गदर्शन में खनिज एवं राजस्व विभाग के संयुक्त दल द्वारा सिहावल क्षेत्र में व्यापक दल द्वारा अभियान चलाया गया संयुक्त दल ने ग्राम दुअरा स्थित सुरेश तिवारी तथा ग्राम लौआ स्थित सजन कुमार अग्रवाल के पक्ष में स्वीकृत एवं संचालित



पत्थर खदानों की प्राप्त शिकायतों के आधार पर जांच की। निरीक्षण के दौरान कुछ अनियमितताएं पाए जाने पर एसडीएम राजेश शुक्ला ने मौके पर उपस्थित तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं हल्का पटवारी को खदान क्षेत्रों की पैमाइश कर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए जांच अभियान के

दौरान ग्राम चमरौहा, तहसील सिहावल क्षेत्र में एक बिना नंबर की हाइवा वाहन (चेसिस क्रमांक डऱऱ5670083ऱऱ8101) को रेत का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया। वाहन चालक महेश कुमार पटेल, निवासी ग्राम घुरेहटा, पोस्ट मऊगंज, परिवहन संबंधी कोई वैध अनुमति अथवा दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके।

इस पर वाहन को नियमानुसार जब्त कर थाना अमिलिया की अभिरक्षा में सुरक्षित रखा गया है खनिज विभाग के अधिकारियों ने बताया कि संबंधित वाहन चालक एवं स्वामी के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई के लिए कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं बिना नंबर वाहन से खनिज परिवहन किए जाने के मामले में मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई के लिए जिला परिवहन अधिकारी को भी पृथक से पत्र प्रेषित किया जाएगा।

## झिरिया आंगनवाड़ी सहायिका नियुक्ति निरस्त, जांच के निर्देश

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।**ग्राम झिरिया में आंगनवाड़ी सहायिका की नियुक्ति से संबंधित प्रकरण में कलेक्टर विकास मिश्रा ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए 1 जनवरी 2026 को जारी आदेश सहित नियुक्ति संबंधी संपूर्ण कार्यवाही को निरस्त कर दिया है साथ ही आवेदिका द्वारा प्रस्तुत अभ्यावेदन को भी अमान्य घोषित किया गया है प्रकरण की विस्तृत जांच एवं विवेचना के उपरान्त कलेक्टर ने पाया कि नियुक्ति प्रक्रिया में नियमों के विपरीत कार्यवाही की गई है। आदेश में महिला एवं बाल विकास परियोजना सिहावल के परियोजना अधिकारी की सल्लिसता तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, सीधी की सहभागिता परिलक्षित होने का उल्लेख किया गया है कलेक्टर ने इस

मामले को गंभीर मानते हुए परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास परियोजना सिहावल के विरुद्ध विभागीय जांच प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं वहीं जिला कार्यक्रम अधिकारी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर उनका जवाब प्राप्त करने के निर्देश भी दिए गए हैं आदेश में कहा गया है कि यदि प्रस्तुत जवाब समाधानकारक नहीं पाया जाता है तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई का प्रस्ताव सक्षम प्राधिकारी को भेजा जाएगा कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि शासकीय नियुक्तियों में पारदर्शिता एवं नियमों का पालन सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

## विश्व साइकिल दिवस पर निकली “संडे ऑन साइकिल“ रैली साइकिल चलाओ, सेहत बनाओ और पर्यावरण बचाओ का दिया संदेश

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** खेल एवं युवा कल्याण विभाग मध्यप्रदेश, भोपाल के निर्देशानुसार तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी अरविंद वास्तव के निर्देशन में विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर रविवार को ँन्दकंल व्द ब्लबसमण्डाईकिल रैली का आयोजन किया गया रैली का शुभारंभ प्रातः 7 बजे उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक-1 के प्राचार्य शंभुनाथ त्रिपाठी द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। साइकिल रैली एसपी कार्यालय परिसर से प्रारंभ होकर सम्राट चौक, अस्पताल चौक सहित शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक-1 के प्रांगण में संपन्न हुई “साइकिल चलाओ –



सेहत बनाओ – पर्यावरण बचाओ” थीम पर आयोजित इस रैली में जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने साइकिलिंग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया इ स अवसर पर प्राचार्य त्रिपाठी ने कहा कि साइकिलिंग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है, बल्कि प्रदूषण नियंत्रण और

पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने युवाओं से साइकिल को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। रैली में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कार्यालय सहायक भूमेश ठाकरे, जिला खेल प्रशिक्षक मानंद शेर अली खान, जयवीर सिंह, ललिता साकेत, सरोज पटेल, शिक्षा विभाग के पीटीआई दिलीप वर्मा, कीर्ति सिंह सहित विभागीय

अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे खेल विभाग द्वारा संचालित फिस्ट इंडिया मूवमेंट्स के अंतर्गत इस प्रकार के आयोजन नियमित रूप से किए जा रहे हैं, जिससे युवाओं में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित हो सके विश्व साइकिल दिवस पर सीधी में फिरेस का संदेश विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर आयोजित ँन्दकंल व्द ब्लबसमण्ड रैली में युवाओं ने उत्साह के साथ सहभागिता करते हुए स्वस्थ जीवनशैली और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। शहर के प्रमुख मार्गों पर निकली इस रैली ने लोगों को साइकिल अपनाने और फिट रहने के लिए प्रेरित किया।

# कलेक्ट्रेट परिसर में शुरू हुआ जैविक संसाधन केंद्र प्राकृतिक खेती के लिए अब किसानों को एक ही स्थान पर मिलेंगे जैविक कृषि आदान

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** जिले में प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट परिसर में जैविक संसाधन केंद्र का शुभारंभ किया गया है। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संचालित इस केंद्र के माध्यम से किसानों को प्राकृतिक खेती में उपयोग होने वाले विभिन्न जैविक कृषि आदान एक ही स्थान पर उपलब्ध कराए जाएंगे केंद्र में बीजामृत, जीवामृत, घनजीवामृत, ब्रह्मास्त्र, नीमास्त्र तथा अग्निआस्त्र जैसे प्राकृतिक कृषि उत्पादों का प्रदर्शन एवं विवरण किया जा रहा है। साथ ही किसानों को इन उत्पादों के उपयोग, लाभ और प्राकृतिक खेती की उन्नत तकनीकों की जानकारी भी प्रदान की जाएगी। आजीविका मिशन द्वारा जिले में संचालित जैविक संसाधन केंद्रों को एकीकृत कृषि क्लस्टर (आईएफसी) के तहत संरक्षित बनाया जा रहा है, ताकि किसानों को स्थानीय स्तर पर



गुणवत्तायुक्त जैविक उत्पाद उपलब्ध हो सकें। किसानों की आवश्यकता के अनुसार उचित मूल्य पर जैविक आदान उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है वर्तमान में सीधी विकासखंड के बढौरा, देवगढ़, डहिली और टीकट कला में भी जैविक संसाधन केंद्र संचालित हैं। इन केंद्रों के माध्यम से रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों पर निर्भरता कम करने

तथा प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने का कार्य किया जा रहा है विशेषज्ञों का मानना है कि जैविक एवं प्राकृतिक खेती से उत्पादन लागत में कमी आती है मुदा की गुणवत्ता में सुधार होता है तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है इसके साथ ही सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न उत्पादन सुनिश्चित होता है जिससे



किसानों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभ मिलता है आजीविका मिशन ने किसानों से जैविक संसाधन केंद्रों की सेवाओं का लाभ उठाने तथा प्राकृतिक खेती को अपनाने की अपील की है। मिशन का उद्देश्य टिकाऊ कृषि प्रणाली को बढ़ावा देकर किसान समृद्धि, स्वस्थ साथ-साथ प्राकृतिक खेती की पर्यावरण और सुरक्षित खाद्य उत्पादन सुनिश्चित करना है एक ही छत के नीचे

उपलब्ध होंगे जैविक उत्पाद कलेक्ट्रेट परिसर स्थित जैविक संसाधन केंद्र किसानों के लिए प्राकृतिक खेती से जुड़े आवश्यक उत्पादों की उपलब्धता का प्रमुख केंद्र बनेगा। यहां किसानों को जैविक कृषि आदानों की खरीद के साथ-साथ प्राकृतिक खेती की तकनीकी जानकारी और मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा।

प्रसारित होंगे जैविक उत्पाद कलेक्ट्रेट परिसर स्थित जैविक संसाधन केंद्र किसानों के लिए प्राकृतिक खेती से जुड़े आवश्यक उत्पादों की उपलब्धता का प्रमुख केंद्र बनेगा। यहां किसानों को जैविक कृषि आदानों की खरीद के साथ-साथ प्राकृतिक खेती की तकनीकी जानकारी और मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा।

## प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए प्रतिभाशाली बच्चों के नामांकन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण प्रतिभा और उपलब्धियों का प्रदर्शन करने वाले बच्चों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने के लिए वर्ष 2026 के प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार हेतु नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। जिला शिक्षा केन्द्र सीधी ने जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों एवं शिक्षा अधिकारियों को पात्र बच्चों की पहचान कर उनके नामांकन प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए हैं जिला परियोजना समन्वयक ने बताया कि भारत सरकार द्वारा 18 वर्ष से कम आयु के उन बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान किया जाता है, जिन्होंने वीरता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। 31 जुलाई 2026 की स्थिति में 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे इस पुरस्कार के लिए पात्र होंगे विशेष रूप से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जाति, कमजोर वर्गों तथा दिव्यांग बच्चों की उल्लेख उपलब्धियों को प्राथमिकता के साथ चिन्हित करने पर जोर दिया गया है। जिले में ऐसे

प्रेरणादायी और प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान कर उन्हें राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं भारत सरकार के पोर्टल पर नामांकन की सुविधा 1 अप्रैल से 31 जुलाई 2026 तक उपलब्ध रहेगी। इस संबंध में जिले के सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, विकासखंड स्त्रोत समन्वयकों, शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों तथा प्रधानाध्यापकों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।

निर्देशानुसार प्रत्येक विकासखंड से कम से कम पांच पात्र बच्चों की पहचान कर उनके नामांकन प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे। प्रस्तावों के साथ बच्चों की उपलब्धियों का विस्तृत विवरण, संबंधित प्रमाण-पत्र, फोटोग्राफ एवं वीडियो भी संलग्न किए जाएंगे।

जिला शिक्षा केन्द्र ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं विद्यालय प्रमुखों से कहा है कि पात्र बच्चों के प्रस्ताव पूर्ण दस्तावेजों सहित 20 जुलाई 2026 तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, ताकि निर्धारित समय-सीमा के भीतर भारत सरकार के पोर्टल पर उनका नामांकन किया जा सके।

## पीएम सुरक्षित मातृत्व अभियान के 10 वर्ष पूर्ण, 9 जून को जिलेभर में लगेंगे विशेष एएनसी शिविर

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 9 जून को जिले की सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में विशेष एएनसी (प्रसव पूर्व जांच) शिविर आयोजित किए जाएंगे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के निर्देशानुसार सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक चलने वाले इन शिविरों में गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क जांच एवं स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि जिला चिकित्सालय, सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में विशेष पीएमएसएमए सत्र आयोजित होंगे। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) एवं एएनएम द्वारा सेवाएं प्रदान की जाएंगी शिविर में पंजीकृत गर्भवती महिलाओं की गुणवत्तापूर्ण एएनसी एवं पीएनसी जांच की जाएगी। साथ ही छूटी हुई एवं नवीन गर्भवती महिलाओं का पंजीयन कर नए एमसीपी कार्ड भी वितरित किए जाएंगे। उच्च जोखिम गर्भावस्था (एचआरपी) वाली महिलाओं की पहचान, उपचार एवं नियमित फॉलोअप पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। गर्भवती महिलाओं की वजन, ऊंचाई, बीएमआई, एमयूपसी, रक्तचाप तथा पेट संबंधी जांच के साथ ही हीमोग्लोबिन, यूरिन एल्बुमिन एवं शुगर, मलेरिया, वीडीडआरएल, सिकल सेल, एचआईवी, हेपेटाइटिस-बी, ओजीटीडी एवं ब्लड ग्रुप जैसी आवश्यक प्रयोगशाला जांचों की जाएंगी। आवश्यकता अनुसार सोनोग्राफी एवं थायरॉइड प्रोफ़ैल को जांच की सुविधा

भी उपलब्ध रहेगी। साथ ही आयरन-फोलिक एसिड, कैल्शियम, एल्वैंडजोल, आयरन सुक्रोस, एक्सोएम सहित आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है शिविरों में आने वाली महिलाओं की सुविधा के लिए पेयजल, बैठने की व्यवस्था, पृथक पंजीकरण काउंटर तथा स्वच्छाहार की व्यवस्था की जाएगी। निजी क्षेत्र के स्त्री रोग विशेषज्ञों तथा आईएमए एवं फर्मासी से जुड़े चिकित्सकों का सहयोग भी लिया जाएगा। आशा कार्यकर्ताओं को उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं को शिविर तक लाने पर प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी, जबकि 108 एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से निःशुल्क परिवहन की सुविधा उपलब्ध रहेगी सुमन हेल्प डेस्क के माध्यम से उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं को शिविर तक पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। शिविर में प्रदान की गई सभी सेवाओं एवं जांचों की जानकारी उसी दिन ई-पीएमएसएमए पोर्टल तथा अनमोल 2.0 पर दर्ज की जाएगी कार्यक्रम की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी तथा विकास सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि स्वास्थ्य संस्थाओं का भ्रमण करेंगे। स्वास्थ्य विभाग ने सभी संस्था प्रभारियों को व्यवस्थाएं सुचारु रखने के निर्देश दिए हैं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जिले की सभी गर्भवती महिलाओं से 9 जून को अपने निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर निःशुल्क जांच एवं परामर्श सेवाओं का लाभ लेने की अपील की है। अभियान का उद्देश्य प्रत्येक गर्भवती महिला तक गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व सेवाएं पहुंचाकर मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में प्रभावी कमी लाना है।

## नगरीय निकाय एवं पंचायतों की मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्यक्रम संशोधित

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** नगरीय निकायों एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2026 के पूर्व में जारी कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 18 जून को होना था कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विकास मिश्रा द्वारा रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देशित किया है।

जायेगा। फोटोयुक्त अंतिम मतदाता सूची का विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 18 जुलाई को किया जायेगा पूर्व में जारी कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 18 जून को होना था कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विकास मिश्रा द्वारा रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देशित किया है।

| नाम सुधार सूचना                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं कुंजना द्विवेदी पति श्री लोकनाथ द्विवेदी निवासी संसरी टोला बक्वर तहसील बक्वर जिला सीधी (म.प्र.) यह घोषणा करती हूँ कि मेरी पुत्री का नाम जन्म प्रमाण पत्र में प्रिया द्विवेदी अंकित है जबकि आधार कार्ड में कुंजवत्सल नैसरी द्विवेदी अंकित हो गया है। अतः मेरी पुत्री का सही एवं वास्तविक नाम प्रिया द्विवेदी हो माना जाए तथा भविष्य में सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय, बैंकों, शैक्षणिक एवं अन्य अभिलेखों में यही नाम मान्य किया जाए। |
| कुंजना द्विवेदी<br>पति – श्री लोकनाथ द्विवेदी                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
| शासकीय कन्या विद्यालय के पास पक्कई टोला बक्वर जिला सीधी मध्यप्रदेश                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव इस बार ऐतिहासिक बदलाव लेकर आया। हालांकि ऐसा लग रहा है कि यह बदलाव केवल सत्ता के स्तर पर हुआ है, जमीनी हकीकत अब भी वही है। राज्य पहले की तरह ही चुनाव बाद की हिंसा और बदले की कार्रवाइयों में फंसा हुआ है। सांसदों पर हमले: TMC नेताओं पर हालिया हमलों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पहले पार्टी के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी को दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर में निशाना बनाया गया। पार्टी इस मुद्दे को अदालत ले

जाने और लोकसभा स्पीकर के सामने उठाने की तैयारी में है। इसके बाद, TMC के चीफ विप कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया कि हुगली जिले में उनके निर्वाचन क्षेत्र में उन पर हमला हुआ। सरकार की जिम्मेदारी: तुणमूल कांग्रेस इन हमलों के लिए BJP पर आरोप लगा रही है, जबकि यह भी कहा जा रहा है कि ममता शासन के खिलाफ लोगों का दबा गुस्सा अब बाहर निकल रहा है। हालांकि राजनीतिक हिंसा को किसी भी

तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता। राज्य ने इस बार बदलाव के लिए वोट दिया है और यह ब द ल ा व र । राजनीतिक परिदृश्य में भी दिखना चाहिए। BJP ने लॉ एंड ऑर्डर को चुनावी मुद्दा बनाया था। अब सरकार में होने के नाते सभी की सुरक्षा की जिम्मेदारी उस पर आती है। किसी को भी किसी भी वजह

से कानून हाथ में लेने की छूट नहीं मिलनी चाहिए। सुधार नहीं: चुनाव बाद हिंसा बंगाल की बहुत पुरानी बीमारी है। 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद भी हिंसा के सेकड़ों केस दर्ज किए गए थे। तब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने 1900 से ज्यादा मामलों की जांच की थी। इसमें स्थानीय पुलिस-प्रशासन पर

गंभीर सवाल उठाए गए थे। हालांकि इससे न तो 2023 के पंचायत चुनाव और न ही 2024 के आम चुनावों में कोई सबक लिया गया। इस बार भी चुनाव परिणाम घोषित होते ही कई जगह से तोड़फोड़, मारपीट की खबरें आईं। सीएम शुभेंद्रु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या हुई। रिजल्ट आने के तीन दिन बाद ही बंगाल पुलिस ने 200 से ज्यादा केस दर्ज कर 400 से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर लिया था।

शासन पर असर: अपने नेताओं पर हमले के विरोध में ममता बनर्जी के नेतृत्व में TMC आज प्रदर्शन करेगी। उसके और सत्ताधारी BJP के बीच तनाव बना हुआ है। इसका असर शीर्ष नेताओं से लेकर नीचे कार्यकर्ताओं तक दिख रहा है। कानून-व्यवस्था के लिहाज से यह स्थिति चिंतजनक है। सरकार और विपक्ष के बीच अगर ऐसे ही टकराव चलता रहा, तो शासन से जुड़े कामकाज पर असर पड़ेगा।

अन्नामलाई की नई पार्टी इधु नम्मा इयक्कम के राजनीतिक मायने

सौरभ वार्षणेय

भाजपा प्रदेश पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने भाजपा से इस्तीफा देकर एक नए राजनीतिक आंदोलन की शुरुआत की है यानी अपनी नई पार्टी का शुरुआज कर दी है जिसका नाम उन्होंने इधु नम्मा इयक्कम रखा है जिसका शाब्दिक अर्थ है यह हमारा आंदोलन है या यह हमारा जन-आंदोलन है । तमिलनाडु की राजनीति एक बार फिर बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। तमिलनाडु इस समय बड़े ऊहापोह की स्थिति से गुजर रहा है। भाजपा के प्रदेश पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने भाजपा से इस्तीफा देकर एक नए राजनीतिक आंदोलन की शुरुआत की है, जिसे विभिन्न रिपोर्टों में वी द लीडर्स तथा तमिल पहचान आधारित नए जनआंदोलन के रूप में प्रस्तुत किया गया है। अन्नामलाई ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि यह आंदोलन आगे चलकर एक पूर्ण राजनीतिक दल का रूप ले सकता है और भविष्य के विधानसभा चुनावों में भागीदारी करेगा। अन्नामलाई पिछले कुछ वर्षों में तमिलनाडु में भाजपा का सबसे चर्चित चेहरा बनकर उभरे थे। पूर्व आईपीएस अधिकारी होने के कारण उनकी छवि एक ईमानदार, आक्रामक और जमीनी नेता की रही है। भाजपा छोड़कर अलग राजनीतिक राह चुनना केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति में एक नए विकल्प की तलाश का संकेत माना जा रहा है। उनका दावा है कि तमिलनाडु को वंशवाद, व्यक्तिपूजा और पारंपरिक राजनीतिक ध्रुवीकरण से बाहर निकालने की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से उन्होंने नए आंदोलन की शुरुआत की है। के अन्नामलाई के इस्तीफे के बाद तमिलनाडु भाजपा में कई नेताओं के त्यागपत्र सामने आए हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि उनके पास व्यक्तिगत समर्थन का एक मजबूत आधार मौजूद है। यदि यह समर्थन संगठित राजनीतिक शक्ति में बदलता है, तो भाजपा को राज्य में अपनी स्थिति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ सकते हैं।हालांकि भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत संगठन है, फिर भी तमिलनाडु जैसे राज्य में करिश्माई क्षेत्रीय नेतृत्व का अलग महत्व होता है। अन्नामलाई का बाहर जाना पार्टी के लिए राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक दोनों दृष्टि से चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। तमिलनाडु की राजनीति लंबे समय से द्रविड़ मुनेत्र कडगम औरआल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कडगम के इर्द-गिर्द घूमती रही है। हाल के वर्षों में अभिनेता विजय की पार्टी तमिलणा वेदी कजगम ने भी नई राजनीतिक संभावनाओं को जन्म दिया है। ऐसे में अन्नामलाई का नया मंच राज्य में तीसरे या चौथे विकल्प के रूप में उभरने की कोशिश करेगा। लेकिन केवल लोकप्रियता से राजनीतिक सफलता नहीं मिलती। मजबूत संगठन, वित्तीय संसाधन, स्थानीय नेतृत्व और स्पष्ट वैचारिक दिशा किसी भी नई पार्टी को सफलता के लिए आवश्यक हैं। अन्नामलाई को इन सभी मोर्चों पर स्वयं को साबित करना होगा। के अन्नामलाई के सामने सबसे बड़ा अवसर युवाओं, पेशेवरों और पारंपरिक राजनीति से निराश मतदाताओं को जोड़ने का है। यदि वे अपने आंदोलन को केवल व्यक्तित्व-आधारित मंच न बनाकर वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति में बदल पाते हैं, तो तमिलनाडु की राजनीति में नया समीकरण बन सकता है।दूसरी ओर चुनौती यह है कि तमिलनाडु में क्षेत्रीय दलों की जड़ें बेहद मजबूत हैं। नए राजनीतिक दलों को अक्सर शुरुआती उस्साह तो मिलता है, लेकिन उसे वोटों और सीटों में बदलना कठिन साबित होता है। के अन्नामलाई का नया आंदोलन केवल एक नेता के दल-बदल की घटना नहीं है, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति में नए प्रयोग का प्रयास है। यदि यह आंदोलन जनता की आकांक्षाओं, सुरासन और क्षेत्रीय स्वाभिमान को प्रभावी ढंग से जोड़ पाता है, तो आने वाले वर्षों में राज्य की राजनीति का महत्वपूर्ण खिलाड़ी बन सकता है। फिलहाल यह कहना जल्दबाजी होगी कि यह पहल सत्ता परिवर्तन का माध्यम बनेगी या नहीं, लेकिन इतना निश्चित है कि अन्नामलाई ने तमिलनाडु की राजनीति में नई बहस और नई संभावनाओं का द्वार खोल दिया है।

सत्ता बदली, हिंसा बरकरार, बंगाल में चुनाव बाद फिर सुलगा सियासी संग्राम

श्री राम की मर्यादा उनके कर्म ही आपको मानवता का संदेश देती है भगवान राम राजा बनने वाले थे और 14 साल का वनवास मिल गया आज थोड़ा सा दुःख हुआ नहीं की सिस्टम और सरकार का दोष, यह लोकतान्त्रिक देश 140 करोड़ लोगों का भारत है जब ठीक नहीं लग रहा बाद में चुनाव में हरा देना बहुत ज्यादा बुराई लिखने कॉकरोच पार्टी बनाने से दूसरे देश में ऐ खबर मजाक बन जाती है इसलिए कठिन परिस्थिति में संयम और शान्ति से काम लें राम ने भगवान शिव का त्रिपुरासुर धनुष उठाया था। यहाँ तक कि देवताओं, राक्षसों और नागों की पूरी सभा भी उसे नहीं उठा पाई थी। राम ने विष्णु का शार्ङ्ग धनुष भी उठाया और तीनों लोकों (ब्रह्मांड) को हिला दिया। उन्होंने धुंधुभी नाम के एक राक्षस के शव को, जो कैलाश पर्वत से भी ऊँचा था, बस एक झटके में 10 योजन दूर फेंक दिया। राम ने एक ही बाण से पृथ्वी की सात परतों को भेद दिया। एक ही साधारण बाण से पूरे समुद्र को सुखा दिया।

आज शान्ति और संयम से काम लेने की जरूरत

### संजय गोस्वामी

राम ने रावण पर अचूक ब्रह्मास्त्र का प्रयोग किया, जिसका वजन मेरु और मंदार पर्वतों जितना था। राम कितने शक्तिशाली हैं? वे समस्त शक्ति के स्रोत हैं! वे नारायण का ही एक रूप हैं! उनकी शक्तियों की कोई सीमा नहीं है। [वाल्मीकि रामायण 5-51-45] में कहा गया है कि जिसे श्री राम मारने का निश्चय कर लें, उसे ब्रह्मा और शिव भी नहीं बचा सकते। चाहे चार मुख वाले स्वयंभू देवता ब्रह्मा हों, या तीन आँखों वाले रुद्र (जिन्होंने त्रिपुरा-माया द्वारा राक्षसों के लिए आकाश, वायु और पृथ्वी में सोने, चाँदी और लोहे से बनाए गए नगर-को जलाया था), या फिर वातावरण और आकाश के देवता तथा देवताओं के स्वामी महेंद्र हों; इनमें से कोई भी उस व्यक्ति को नहीं बचा सकता, जिसे राम युद्ध में मारने का निश्चय कर लें। वाल्मीकि रामायण 1-1-17 में कहा गया है कि वे स्वयं ही सत्य हैं और ऐसा कोई नहीं है जो उनकी बराबरी कर सके। शौर्य में राम विष्णु के समान हैं, और अपनी सुंदरता में वे चंद्रमा की तरह आकर्षक हैं; क्षमाशीलता में वे पृथ्वी के तुल्य हैं, लेकिन अपने क्रोध में वे प्रलयकारी अग्नि के समान हैं... और उदारता में वे धन के देवता कुबेर के समान हैं, तथा अपनी सत्यनिष्ठा में वे साक्षात् धर्म के समान हैं-सत्य का ही मूर्त रूप-जिनका कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं है। वाल्मीकि रामायण के अरण्य कांड में कहा गया है कि यदि समस्त देवता और तीनों लोकों की समस्त सेनाएँ भी एक साथ आ जाएँ, तो भी वे श्री राम की शक्ति के सामने कुछ भी नहीं हैं। हे वैदेही! तुम्हारे पति को सर्प, असुर, गंधर्व, देवता, पिशाच या राक्षस-कोई भी पराजित नहीं कर सकता; इसमें तनिक भी संदेह नहीं है। हे शुभलक्षणा! देवताओं, मनुष्यों, गंधर्वों, पक्षियों, राक्षसों, किन्नरों, पशुओं, अथवा हे देवी, यहाँ तक कि अत्यंत भयानक राक्षसों में भी ऐसा कोई योद्धा नहीं है जो युद्ध में राम का सामना कर सके; क्योंकि किसी भी युद्ध में राम की शक्ति इन्द्र के तुल्य होती है। इस प्रकार की बातें करना तुम्हारे लिए अनुचित है, क्योंकि युद्ध में राम को पराजित करना असंभव है, और जहाँ तक मेरी बात है, मैं राघव (राम) की अनुपस्थिति में तुम्हें इस घने वन में अकेला छोड़ने का साहस कदापि नहीं कर सकता। चाहे समस्त शक्तिशाली सम्राट अपनी संपूर्ण सेनाओं के साथ आ जाएँ, अथवा समस्त देवता अपने प्रमुखों के साथ एकत्रित हो जाएँ-अरे, उनकी तो बात ही क्या-यदि तीनों लोक भी एक साथ मिलकर, चाहे सामूहिक



रूप से या अलग-अलग, विद्रोह करते हुए आ जाएँ, तो भी राम के पराक्रम को कोई रोक नहीं सकता। वाल्मीकि रामायण (1-1-65) में कहा गया है कि उन्होंने राक्षस दुर्दुषि के मृत शरीर को अपने पैर के अंगूठे से मात्र स्पर्श करके ही दस योजन दूर तक उछाल दिया था! (एक योजन लगभग 13 किलोमीटर के बराबर होता है, अतः दस योजन का अर्थ हुआ 1300 किलोमीटर!) विशाल भुजाओं वाले और अत्यंत शक्तिशाली राम ने जब दुर्दुषि की अस्थियों को देखा, तो वे मुस्कराए और अपने पैर के अंगूठे की सहायता से उस संपूर्ण शरीर को दस योजन की दूरी तक फेंक दिया। वाल्मीकि रामायण (1-1-67) में वर्णित है कि श्री राम ने अपने एक ही बाण से सात संदेह नहीं है। हे शुभलक्षणा! देवताओं, मनुष्यों, गंधर्वों, पक्षियों, राक्षसों, किन्नरों, पशुओं, अथवा हे देवी, यहाँ तक कि अत्यंत भयानक राक्षसों में भी ऐसा कोई योद्धा नहीं है जो युद्ध में राम का सामना कर सके; क्योंकि किसी भी युद्ध में राम की शक्ति इन्द्र के तुल्य होती है। इस प्रकार की बातें करना तुम्हारे लिए अनुचित है, क्योंकि युद्ध में राम को पराजित करना असंभव है, और जहाँ तक मेरी बात है, मैं राघव (राम) की अनुपस्थिति में तुम्हें इस घने वन में अकेला छोड़ने का साहस कदापि नहीं कर सकता। चाहे समस्त शक्तिशाली सम्राट अपनी संपूर्ण सेनाओं के साथ आ जाएँ, अथवा समस्त देवता अपने प्रमुखों के साथ एकत्रित हो जाएँ-अरे, उनकी तो बात ही क्या-यदि तीनों लोक भी एक साथ मिलकर, चाहे सामूहिक

असमर्थ है। हे सुग्रीव, वानर सेना के स्वामी! यदि मैं चाहूँ, तो पृथ्वी पर विचरण करने वाले उन सभी आसुरी जीवों, राक्षसों, अलौकिक प्राणियों और नरभक्षी पिशाचों का संहार अपनी उंगली के सिर्फ़ एक पोर से ही कर सकता हूँ। एक कथा में यह प्रसंग आता है कि कैसे एक कबूतर ने अपने शत्रु (एक बहेलिए) को-जब वह शरण माँगने उसके पास आया-अतिथि-सत्कार के समस्त नियमों का पालन करते हुए स्वीकार किया, और यहाँ तक कि उसे अपने ही शरीर का मांस परोसकर भोजन के लिए आमंत्रित किया। सच तो यह है कि श्री राम की इच्छा के बिना, इस सृष्टि में ऐसा कोई भी नहीं है। वह ब्रह्मा के रूप में सृष्टि की रचना करते हैं; शिव के रूप में उसका संहार करते हैं; और अपने आदि-स्वरूप नारायण के रूप में वे समस्त सृष्टि का पालन-पोषण करते हैं। केवल एक ही ऐसी चीज़ है जिसे स्वयं श्री राम भी कभी नज़रअंदाज नहीं कर सकते-और वह है, किसी सच्चे भक्त की अनन्य भक्ति। जो कोई भी भक्त श्री सीता-वाल्मीकि रामायण के युद्ध कांड में कहा गया है कि श्री राम अपनी उंगली के सिर्फ़ एक पोर से ही सभी राक्षसों और दुष्ट शक्तियों का संहार कर सकते हैं! इससे क्या फ़र्क पड़ता है कि वह राक्षस कितना दुष्ट है या नहीं? वह मेरा ज़रा सा भी अहिंत करने में सर्वथा

पवित्र और भक्तों के दुखों का नाश करने वाला माना जाता है। हिंदू धर्म में गौस्वामी तुलसीदास महाराज कहते हैं भजमन राम चरण सुखदाई क्योंकि उनके चरण स्पर्श मात्र से अहिल्या पत्थर से पुनः जीवित हो गई जो इस संसार में भगवान राम के अलावा और कोई नहीं कर सकता है.संसार में करने की प्रधानता है और परमात्मा में श्रद्धा, भक्ति, मानने की बात है । देरी क्यों लगती है ? क्रिया पर जोर देते हैं (इसलिए) । गीता में तत्काल सिद्धि की बात बताई है । तो क्यों हैं; क्योंकि वह बनी हुई है, स्वतः सिद्ध है । तो अपना स्वरूप स्वतः सिद्ध है । इसमें दृष्टि डालने की जरूरत है । ऐसे परमात्मा हैं, उसमें भक्ति - भाव, श्रद्धा की जरूरत है । भाव से सिद्धि जल्दी होती है । (मानना है) भगवान् मेरे हैं । प्रह्लाद जी को पूछा भगवान् कहाँ है ? तो प्रह्लाद जी ने कहा कि भगवान् कहाँ नहीं है । ऐसे ही भगवान् राम ने वाल्मीकि जी से पूछा - मैं कहाँ रहूँ तो वाल्मीकि जी कहते हैं मैं पूछता सकुचाता हूँ कि आप कहाँ नहीं हैं तो इसमें भाव की प्रधानता है । मैं हूँ । तो शरीर को मिलाकर कहता है - मैं हूँ । तो देरी लगती है । मैं प्रकृति का अंश है । हूँ परमात्मा का अंश है । 'है' के साथ 'नहीं' मिला दिया, तो मरने का डर लगता है । मरने का भय लगता है - मैं और मेरा मानने से । भय, इच्छा से रहित हो जाए तो तत्व की प्राप्ति हो जाए । इस वास्ते कामना के त्याग की बात भगवान् ने बहुत कही है । इच्छा, कामना के कारण ही संसार में संबंध है । आप विचार कर लो जिन से संबंध नहीं है, उनसे इच्छा नहीं होती; क्योंकि सोचते हैं हमारे को इन से क्या लेना एक आवश्यकता होती और एक इच्छा होती है । आवश्यकता तो है परमात्मा राम को पाने की, इच्छा होती है (जड़ की) संसार की । जड़ में भी आवश्यकता और इच्छा हो होती है । इसमें भी आवश्यकता की पूर्ति होती है । और इच्छा की पूर्ति नहीं होती । वह बढ़ती रहती है । तो आवश्यकता परमात्म तत्व की और इच्छा है जो उड़ तत्व की । आवश्यकता तो पूरी होती है और इच्छा है । भोजन करते-करते कहते हैं ' शिव हो गई । तृप्ति नहीं हुई, थकावट हो गई । इस थकावट को ही तृप्ति कह देते हैं । पर भगवान् की प्राप्ति के बाद तृप्ति होती है । एक जानने की शक्ति है । एक करने की शक्ति है । एक मानने की शक्ति है । जानने की शक्ति को आत्मा में लगाओ । करने की शक्ति को दूसरों की सेवा में लगाओ । मानने की शक्ति को भगवान् में लगाओ । पशु, पेड़ से चीज़ें ले तो सकते हैं पर वो

सेवा कर नहीं सकते । दूसरों की सेवा मनुष्य ही कर सकते हैं । दूसरों की सेवा करना कर्म योग है । अपने आप को जानना ज्ञान योग है और भक्ति करना यह भक्तियोग हो गया । गीता ने वासुदेवः सर्वम् को सर्वोपरि सिद्धांत बताया है । यह भक्तियोग से जल्दी सिद्ध हो जाता है । ज्ञान योग से भी प्राप्त हो जाता है (सिद्ध हो जाता है) । भक्ति वाला ज्ञान मार्ग की निंदा ना करें और ज्ञान वाला भक्ति मार्ग की निंदा ना करें । (इसलिए) । गीता में तत्काल सिद्धि की बात बताई है । तो क्यों हैं; क्योंकि वह बनी हुई है, स्वतः सिद्ध है । तो अपना स्वरूप स्वतः सिद्ध है । इसमें दृष्टि डालने की जरूरत है । ऐसे परमात्मा हैं, उसमें भक्ति - भाव, श्रद्धा की जरूरत है । भाव से सिद्धि जल्दी होती है । (मानना है) भगवान् मेरे हैं । प्रह्लाद जी को पूछा भगवान् कहाँ है ? तो प्रह्लाद जी ने कहा कि भगवान् कहाँ नहीं है । ऐसे ही भगवान् राम ने वाल्मीकि जी से पूछा - मैं कहाँ रहूँ तो वाल्मीकि जी कहते हैं मैं पूछता सकुचाता हूँ कि आप कहाँ नहीं हैं तो इसमें भाव की प्रधानता है । मैं हूँ । तो शरीर को मिलाकर कहता है - मैं हूँ । तो देरी लगती है । मैं प्रकृति का अंश है । हूँ परमात्मा का अंश है । 'है' के साथ 'नहीं' मिला दिया, तो मरने का डर लगता है । मरने का भय लगता है - मैं और मेरा मानने से । भय, इच्छा से रहित हो जाए तो तत्व की प्राप्ति हो जाए । इस वास्ते कामना के त्याग की बात भगवान् ने बहुत कही है । इच्छा, कामना के कारण ही संसार में संबंध है । आप विचार कर लो जिन से संबंध नहीं है, उनसे इच्छा नहीं होती; क्योंकि सोचते हैं हमारे को इन से क्या लेना एक आवश्यकता होती और एक इच्छा होती है । आवश्यकता तो है परमात्मा राम को पाने की, इच्छा होती है (जड़ की) संसार की । जड़ में भी आवश्यकता और इच्छा हो होती है । इसमें भी आवश्यकता की पूर्ति होती है । और इच्छा की पूर्ति नहीं होती । वह बढ़ती रहती है । तो आवश्यकता परमात्म तत्व की और इच्छा है जो उड़ तत्व की । आवश्यकता तो पूरी होती है और इच्छा है । भोजन करते-करते कहते हैं ' शिव हो गई । तृप्ति नहीं हुई, थकावट हो गई । इस थकावट को ही तृप्ति कह देते हैं । पर भगवान् की प्राप्ति के बाद तृप्ति होती है । एक जानने की शक्ति है । एक करने की शक्ति है । एक मानने की शक्ति है । जानने की शक्ति को आत्मा में लगाओ । करने की शक्ति को दूसरों की सेवा में लगाओ । मानने की शक्ति को भगवान् में लगाओ । पशु, पेड़ से चीज़ें ले तो सकते हैं पर वो

क्रियान्वान् पुरुषः स विद्वान् ।सुचिन्तितं चौषधमातुराणां न नाम - मात्रेण करोत्यलग्नम् ॥ शास्त्रों का अध्ययन करने के बाद भी कुछ लोग मूर्ख रह जाते हैं । परन्तु जो क्रियाशील है वही सही अर्थ में विद्वान् है । किसी रोगी के प्रति केवल नाम मात्र बोलने से सुविचारित औषधि रोगी को ठीक नहीं कर सकती। वह औषधि नियमानुसार लेनेपर ही वह रोगी ठीक हो सकता है । काच चमक बीच पाण्या, आण्य पल में परे। छोड़ी काच कामनी त्यायं, काई लटकां करे।। कांच के मध्य से रहने के कारण पुतली लोह चुंबक से मिल नहीं पाती । परंतु यदि कांच को बीच से हटा दिया जाए, तो उसे आवरण के दूर होते ही पुतली अपने स्वामी रूपी चुंबक के साथ विविध प्रेम चेष्टाएँ करने लगती है इस उदाहरण द्वारा यह समझ जा सकता है कि बीच में अवरोध रोगी संसार की मोहमाया और इंद्रियों के भोग वैषम्य के आवरण को सदुरू के ज्ञानोपदेश रुषी हाथों से यदि हटाए दिया जाए , तो शरीर के सभी तत्व मूल चैतन्य के अंश को उर्ध्ववर्णी होकर सर्व के स्वामी प्रति को अंशी के साथ तादात्म्य साधने में सहयोग प्रदान करने लगते हैं।राम की वाणी सुनने से हृदय में प्रकाश आता है, इसलिए 'प्रतिदिन जरूर सुननी चाहिए' । (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

## कंगाली में आटा गीला का सामना करती ममता बनर्जी

आपने एक पुरानी कहावत तो जरूर सुनी होगी कंगाली में आटा गीला । यह ममता बनर्जी के साथ बिल्कुल खरी साबित हो रही है एक ओर वह सत्ता से बाहर हो गयी है दूसरे ओर उनके अपने ही उनके खिलाफ मुखर हो गए हैं। आपको बता दें पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की राजनीतिक और कानूनी परेशानियां मई 2026 में हुए विधानसभा चुनाव में तुणमूल कांग्रेस की हार के बाद से लगातार बढ़ रही हैं। पार्टी के भीतर बड़ी बगावत और कानूनी मुकदमों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

### मनोज कुमार अग्रवाल

ममता बनर्जी की बढ़ती परेशानियों की वजह ममता बनर्जी की पार्टी तुणमूल कांग्रेस अपने 28 साल के इतिहास के सबसे बड़े आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के 58 विधायकों ने बागी रख अपनातो हुए निष्कासित नेता श्रतब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुन लिया है, जिसे विधानसभा स्पीकर ने मंजूरी भी दे दी है। इसके साथ ही, लगभग 20 से अधिक टीएमसी सांसदों के भी भाजपा के संपर्क में होने की खबरें सामने आ रही हैं। पार्टी पर पकड़ ढीली होने का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि संकट के बीच ममता बनर्जी द्वारा बुलाई गई हार्ड-लेवल बैठक में 80 में से केवल 8 विधायक और 41 में से सिर्फ 6 सांसद ही शामिल हुए। ज्यादातर निर्वाचित प्रतिनिधियों ने इस बैठक से दूरी बना ली, जो उनके नेतृत्व को एक सीधा चैलेंज माना जा रहा है। राजनीतिक मोर्चे के साथ-साथ ममता बनर्जी अब कानूनी पचड़े में भी फंस गई हैं। चुनाव के दौरान दिए गए उनके बयानों और बांग्लादेश में हुई राजनीतिक हत्या के मामले को केंद्र सरकार से जोड़ने को लेकर उनके खिलाफ सिलीकूडी और कोलकाता में राजद्रोह और हेट स्पीच की शिकायतें व पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई गई हैं। याचिकाकर्ताओं ने इसे देश की संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए

खतरा बताया है। सत्ता हाथ से जाने के बाद जमीनी स्तर पर भी भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण भागदंड मची हुई है। उनके बेहद करीबी माने जाने वाले कोलकाता के मेयर फिर्हाद हकीम और बिधाननगर की मेयर कृष्णा चक्रवर्ती ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। इसके अलावा राज्यभर में 100 से ज्यादा टीएमसी पार्षदों और स्थानीय नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है। ममता बनर्जी को अपने ही गढ़ भवानीपुर सीट से भाजपा के सुवेंदु अधिकारी के हाथों 15,105 वोटों से हार का सामना करना पड़ा। राज्य में 15 साल पुराने टीएमसी शासन का अंत हो गया है और सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा की नई सरकार का गठन हो चुका है। ममता बनर्जी इन सभी विपरीत हालातों के खिलाफ सड़कों से लेकर हाइकोर्ट तक कानूनी और राजनीतिक लड़ाई लड़ रही हैं। आपको पता है कि पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव के परिणाम एक माह पूर्व 4 हई को सामने आए थे। इनमें ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तुणमूल कांग्रेस को निराशा का मुंह देखना पड़ा था। 294 सीटों वाली इस विधानसभा में उसे 80 सीटें ही मिली थीं। इस तरह 15 वर्ष तक प्रदेश की मुख्यमंत्री रहें ममता का शासन खत्म हो गया था। ममता ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत कांग्रेस से की थी। लम्बी अवधि तक वह इसके साथ जुड़ी रहीं, परन्तु 28 वर्ष पूर्व 1998 में उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर तुणमूल कांग्रेस

(टी.एम.सी.) का गठन किया था और कम्युनिस्ट पार्टियों के तीन दशकों के भी अधिक प्रवेश में चले आ रहे लम्बे शासन को खत्म करने के लिए बड़ी दिलेरी और दृढ़ता से उसका मुकाबला किया था। इस समय लोकसभा में इनके 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं, परन्तु विगत लम्बी अवधि से इस पार्टी के भीतर ममता की तानाशाही और टकराव वाली नीतियों के कारण असंतोष और असहमति चल रही थी, परन्तु उनकी प्रशासन पर सख्त पकड़ और कठोर फैसलों से यह बगावत अंदर-अंदर ही सुलगती रही थी। ममता ने अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को अपने साथ राजनीति में लाकर उसे अधिक शक्तियां दे दी थीं। बनर्जी के काम करने के ढंग-तरीके से भी पार्टी गलियारों में असंतोष था, जिसके संबंध में ममता को लगातार उनकी पार्टी के नेताओं द्वारा अवगण करवाया जाता रहा था परन्तु ममता ने इस बात की ओर ध्यान नहीं दिया। अपनी ताकत के दम पर उन्होंने बड़ी राष्ट्रीय नेता होने का भ्रम भी पाल लिया था, जिस कारण राष्ट्रीय स्तर पर दर्जनों ही पार्टियों द्वारा बनाए गए इंडिया गठबंधन की वह सदस्य जरूर बनीं रही थीं, परन्तु उसमें शामिल अलग-अलग पार्टियों के सभी नेताओं से ऊंचा कद होने का भ्रम उन्होंने पाल रखा था। इसलिए विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने अपनी किसी भी सहयोगी पार्टी के साथ गठबंधन करने से इन्कार कर दिया था। उनके शासन के समय प्रदेश की आर्थिकता भी बेहद कमजोर हो गई थी और यह पूरी तरह कर्ज में डूब

चुका था। केन्द्र के साथ लगातार टकराव रहने के कारण और उद्योग को समर्थन न मिलने के कारण भी आर्थिकता डावांढोल हो गई थी। इसके साथ ही बेरोजगारी की दर भी बढ़ चुकी थी, परन्तु पिछला पूरा समय केन्द्र और अन्य पार्टियों के साथ टकराव बने रहने के कारण भी उनकी प्रशासनिक तौर पर पकड़ ढीली पड़ चुकी थी। ऐसी स्थिति लोगों के भीतर निराशा में बदलती गई। लगातार सरकार विरोधी भावनाओं के बढ़ने का अनुमान लगाने में वह असमर्थ रहीं और न ही वह दीवार पर लिखे को पढ़ सकीं, जिस कारण उन्हें चुनाव में निराशा का मुंह देखना पड़ा। हार के बाद भी उन्होंने खुले मन से आत्म-मंथन करने की बजाए अपनी पार्टी के भीतर असंतोष को अनदेखा किए रखा जो अंत में उनके लिए हानिकारक सिद्ध हुई। आंतरिक यह चिंगारी उस समय लपटें बन गई, जब उन्होंने ज्यादातर पार्टी नेताओं को अनदेखा करके अभिषेक बनर्जी के कहने पर विधानसभा में विपक्ष के नेता के लिए सीमन देव का नाम स्पीकर को भेज दिया, परन्तु ज्यादातर विधायक इस पद के लिए रितारत्रा बनर्जी के पक्ष में थे, परन्तु ममता ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया और इस पद के लिए स्पीकर को विधायकों के हस्ताक्षर वाला एक पत्र भेज दिया, जिस कारण ज्यादातर नेताओं ने बग़ावत का मार्ग अपना लिया। इस मामले को लेकर ही बुधवार को पार्टी के 80 विधायकों में से 59 विधायकों ने विधानसभा के स्पीकर से सम्पर्क किया। अपने हस्ताक्षरों वाला पत्र उन्हें सौंपा और अपने गुट को

असली तुणमूल कांग्रेस बताया। पार्टी के 28 वर्ष के के इतिहास में ममता पर पहली बार इतना बड़ा हमला हुआ है। इसकी उदाहरण महानिष्ठ से मिलती है, जब 20 जून, 2022 को वहां शिव सेना के 55 में से 40 विधायकों ने एकनाथ शिंदे का उस समय साथ दिया था, जब उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री थे। उसके सप्ताह भर बाद ही शिंदे वहां भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बन गए थे। अब दो तिहाई सदस्यों के एकजुट होने से विधानसभा में ममता के समर्थक सदस्य 2 दर्जन से भी कम रह गए हैं, जिससे उनकी राजनीतिक हालत और भी दयनीय हो गई प्रतीत होती है। दूसरी तरफ भाजपा को बड़ी जीत प्राप्त होने के कारण उसके नेताओं ने तुणमूल कांग्रेस के बागियों के साथ कोई भी समझौता करने से इंकार कर दिया है। रितारत्रा बनर्जी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत वामपंथी विचार्षी संगठन से की थी। 34 वर्ष की उम्र में वह राज्यसभा के सदस्य बन गए थे और बाद में वह टी.एम.सी. में शामिल हो गए थे। ममता ने ही उन्हें वर्ष 2024 में राज्यसभा में भेजा था। विधानसभा चुनाव में वह उलबेरिया सीट से विधायक चुने गए हैं। चाहे ममता ने इस बड़ी चुनौती के समक्ष भी अपना हीसला कायम रखी हुए इन बागियों और भाजपा को लतकारा है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा विरोधी पार्टियों से सम्पर्क करने की बात भी की है, परन्तु अब यह देखना शेष होगा, कि वह निफ्ट भविष्य में प्रदेश और देश की राजनीति में किस तरह विचरण करेंगी।

रायपुर में दिनदहाड़े 10 लाख की लूट, गैस एजेंसी मैनेजर से नकाबपोश बदमाशों ने छीना कैश बैग



**मीडिया ऑडीटर, रायपुर ( निप्र )।** राजधानी रायपुर में शनिवार को दिनदहाड़े हुई एक सनसनीखेज लूट की वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं डीडी नगर थाना क्षेत्र में गैस एजेंसी के एक मैनेजर से करीब 10 लाख रुपए से भरा बैग बाइक सवार तीन नकाबपोश बदमाशों ने छीन लिया पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है जिसके आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है जानकारी के अनुसार पीड़ित श्रवण साहू महोबा बाजार निवासी हैं और एक निजी गैस एजेंसी में मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं शनिवार शाम करीब 7 बजे वे एजेंसी के भुगतान संबंधी कार्य के लिए अग्रसेन चौक स्थित कार्यालय पहुंचे थे। वहां से लगभग 10 लाख रुपए की नकदी लेकर वे अपनी कार से टायीबंघ

स्थित मुख्य कार्यालय की ओर खाना हुए बताया जा रहा है कि डगनिया बाजार के पास पहुंचते ही पहले से घात लगाए बैठे बदमाशों ने उन्हें निशाना बनाया सीसीटीवी फुटेज के अनुसार बाइक सवार तीन युवक पहले श्रवण साहू की कार को ब्लॉस कर आगे निकल गए इसके बाद उन्होंने यू-टर्न लिया और दोबारा कार के पास पहुंचे। जैसे ही श्रवण साहू ने कार पार्क कर कैश से भरा बैग लेकर बाहर कदम रखा बदमाशों ने झपट्टा मारकर बैग छीन लिया और तेज गति से मोके से फरार हो गए घटना इतनी तेजी से हुई कि पीड़ित उन्हें पकड़ नहीं सका उसने कुछ दूरी तक पीछा करने का प्रयास किया लेकिन आरोपी आंखों से ओझल हो गए पीड़ित ने बताया कि तीनों बदमाशों ने अपने चेहरे स्कर्फ से ढक रखे थे जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया। पुलिस को आशंका है कि आरोपियों ने पहले से श्रवण साहू की गतिविधियों पर नजर रखी हुई थी और पूरी योजना के तहत वादत को अंजाम दिया गया प्रारंभिक जांच में रेकी की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है।

खेत में झूलते तार से लगा करंट, युवक की मौत

**मीडिया ऑडीटर, पिपेरिया ( निप्र )।** पिपेरिया के हथवास में कावेरी वेयर हाउस के पीछे रविवार को बिजली के तार से करंट लगने से युवक की मौत हो गई युवक को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान हरीश अग्रवाल (37) के रूप में हुई है उनके पिता पूरन लाल अग्रवाल ने बताया कि वे खेत में मूंग खाने गई बछिया को भगाने जा रहे थे तभी हरीश ने उन्हें रोककर खुद जाने की बात कही खेत में झूलते बिजली के तार की चपेट में आने से हरीश को गर्दन में करंट लगा और वह वहीं गिर पड़ा खेत में झूलते बिजली के तार की चपेट में आने से हरीश को गर्दन में करंट लगा खेत में झूलते बिजली के तार की चपेट में आने से हरीश को गर्दन में करंट लगा। पिता ने बताया कि

हादसे के बाद उन्होंने आसपास के लोगों की मदद से बेटे को पहले एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे इसके बाद सरकारी अस्पताल पहुंचाया लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया बेटे की शादी हो गई है अभी उसकी कोई संतान नहीं थी वह ऑटो चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था उनके पिता की आर्थिक स्थिति कमजोर है। इस घटना में बिजली विभाग की लापरवाही सामने आ रही है क्योंकि खेतों में बिजली के तार काफी नीचे झूल रहे थे और उनका रखरखाव नहीं किया गया था स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने बिजली विभाग को इस समस्या के बारे में कई बार सूचित किया था विवेचना अधिकारी एसआई शिव प्रसाद तिवारी ने बताया कि हरीश अग्रवाल की मौत बिजली का करंट लगने से हुई है।

## विश्व साइकिल दिवस पर मनेन्द्रगढ़ बना फिटनेस और पर्यावरण जागरूकता का केंद्र

कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने साइकिल चलाकर दिया स्वस्थ जीवन का संदेश, फिट इंडिया अभियान को मिला नया उत्साह



**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी ( निप्र )।** विश्व साइकिल दिवस 2026 के अवसर पर मनेन्द्रगढ़ का सुरभि पार्क फिटनेस, ऊर्जा और पर्यावरण जागरूकता का केंद्र बन गया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित साइकिलिंग एवं जुम्बा कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, युवाओं तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सु संतन देवी जांगड़े ने स्वयं साइकिल चलाकर नागरिकों को नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने

के लिए प्रेरित किया उनके साथ एसडीएम लिंगराज सिदार, 18वीं बटालियन छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के कमांडेंट संजय शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव सहित कई अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे सुरभि पार्क में आयोजित जुम्बा सत्र ने युवाओं में नई ऊर्जा का संसार किया बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक सभी ने उत्साह के साथ सहभागिता निभाई और स्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की इस अवसर पर खेल विभाग द्वारा कलेक्टर संतन देवी जांगड़े, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव, कमांडेंट

विश्व साइकिल दिवस पर आईटीबीपी की साइकिल रैली, फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

## बोलेरो छोड़कर भागे तस्कर, महिलाओं ने गाड़ी के सामने धरना देकर की कार्रवाई की मांग



**मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम ( निप्र )।** जिले के डोलरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कछलास में रविवार सुबह उस समय हंगामे की स्थिति बन गई जब ग्रामीणों ने गांव में अवैध रूप से शराब खपाने आई एक बोलेरो गाड़ी को पकड़ लिया ग्रामीणों के

विरोध और बढ़ती भीड़ को देखकर वाहन में सवार लोग मौके से फरार हो गए इसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीणों और महिलाओं ने गाड़ी के सामने बैठकर विरोध प्रदर्शन किया तथा अवैध शराब कारोबार पर कड़ी कार्रवाई की मांग की जानकारी के



अनुसार नर्मदापुरम से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित कछलास गांव में रविवार सुबह एक बोलेरो वाहन संदिग्ध परिस्थितियों में पहुंचा गांव के कुछ लोगों को वाहन की गतिविधियों पर संदेह हुआ जिसके बाद उन्होंने गाड़ी को रोककर जांच की

जांच के दौरान वाहन के अंदर शराब की दो से तीन पेटियां रखी मिलीं। यह जानकारी मिलते ही गांव में तेजी से खबर फैल गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में लंबे समय से अवैध रूप से शराब की बिक्री की जा रही है जिससे सामाजिक माहौल प्रभावित हो रहा है। गाड़ी में शराब मिलने के बाद महिलाओं का आक्रोश भी सामने आया कई महिलाएं बोलेरो के सामने बैठ गईं और दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग करने लगीं। स्थिति को देखते हुए वाहन में सवार कथित तस्कर गाड़ी वहीं छोड़कर

फरार हो गए घटना की सूचना मिलते ही डोलरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची एसएसआई गणेश रघुवंशी पुलिस टीम के साथ गांव पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें शांत करने का प्रयास किया इस दौरान ग्रामीणों ने लाइसेंसी शराब ठेकेदार और उसके कर्मचारियों पर गांव में अवैध तरीके से शराब सप्लाई करने के गंभीर आरोप लगाए उनका कहना था कि ठेकेदार के संरक्षण में ही गांवों में शराब पहुंचाई जा रही है करीब 40 से 45 मिनट तक चले हंगामे के बाद पुलिस अधिकारियों ने दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया जिसके बाद ग्रामीण शांत हुए।

पुलिस ने बोलेरो वाहन को जब्त कर डोलरिया थाने पहुंचाया डोलरिया थाना प्रभारी प्रवीण चौहान ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा पकड़ी गई बोलेरो से शराब बरामद हुई है। फिलहाल शराब की मात्रा की गिनती की जा रही है तथा मामले में अवैध शराब परिवहन के तहत वैधानिक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और संबंधित लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है। गांव में हुई इस कार्रवाई को लेकर ग्रामीणों ने प्रशासन से अवैध शराब कारोबार पर स्थायी रोक लगाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की है।

डकैत को ‘सुख-दुख का साथी’ बताने वाले बयान पर विधायक प्रीतम लोधी ने जताया खेद

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी ( निप्र )।** पिछोर विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रीतम लोधी ने कुछ्पात डकैत रामबाबू गड़रिया को अपना ‘सुख-दुख का साथी’ बताने वाले बयान पर खेद व्यक्त किया वे विवाद बढ़ने और विभिन्न समाजों की नाराजगी सामने आने के बाद विधायक ने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश जारी कर अपने बयान को लेकर सफाई दी गौरतलब है कि 31 मई को आयोजित अहिल्याबाई होल्कर जयंती समारोह के दौरान प्रीतम लोधी ने मंच से संबोधन करते हुए कुछ्पात डकैत रामबाबू गड़रिया का उल्लेख अपने सुख-दुख के साथी के रूप में किया था कार्यक्रम के दौरान रामबाबू गड़रिया की तस्वीर पर मात्स्यार्पण भी किया गया था विधायक के

इस बयान के बाद क्षेत्र में राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर बहस शुरू हो गई थी गुर्जर समाज सहित अन्य संगठनों ने इस पर आपत्ति जताते हुए बयान की आलोचना की थी विवाद को बढ़ता देख विधायक प्रीतम लोधी ने रविवार को वीडियो जारी कर कहा कि वे देवी अहिल्याबाई होल्कर जयंती के अवसर पर आयोजित बघेल समाज के कार्यक्रम में अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि उनके द्वारा किसी प्रकार की अनुचित शब्दावली का प्रयोग हुआ है तो उसका उद्देश्य किसी भी व्यक्ति या समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था वीडियो संदेश में विधायक ने कहा ‘मेरा ऐसा कोई उद्देश्य नहीं था कि किसी व्यक्ति, समाज या समुदाय की भावनाएं आहत हों।

धमतरी में चेकिंग के दौरान युवक और टीआई में विवाद, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

**मीडिया ऑडीटर, छत्तीसगढ़ ( निप्र )।** छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में देर रात वाहन चेकिंग के दौरान एक युवक और थाना प्रभारी (टीआई) के बीच हुए विवाद को वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है घटना अर्जुनी थाना क्षेत्र की बताई जा रही है जहां पुलिस द्वारा संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की जांच के दौरान बिना नंबर प्लेट वाली बाइक को रोका गया था बाइक पर एक दंपती और उनकी छोटी बच्ची सवार थी जो मूवी देखकर घर लौट रहे थे जानकारी के अनुसार शहर में सुरक्षा व्यवस्था के तहत मुजगहन-पोटियाडीह बायपास के पास नियमित रूप से फिक्स्ड पेट्रोलिंग प्वाइंट लगाया जाता है गुरुवार-शुक्रवार की देर रात भी पुलिसकर्मियों वाहनों की जांच कर रहे थे इसी दौरान धमतरी से मुजगहन की ओर जा रही एक बाइक को रोका गया जिसकी जानकारी नंबर प्लेट टूटी हुई थी। पुलिस के अनुसार, बाइक चालक से दस्तावेज और पहचान



संबंधी जानकारी मांगी गई लेकिन उसने आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए इसी बात को लेकर युवक और पुलिसकर्मियों के बीच बहस शुरू हो गई सूचना मिलने पर अर्जुनी थाना प्रभारी चंद्रकांत साहू भी मौके पर पहुंचे और युवक से पूछताछ की इस दौरान युवक मोबाइल से वीडियो रिकॉर्डिंग करता रहा और टीआई से बहस करता दिखाई दिया। वायरल वीडियो में युवक टीआई पर थपड़ मारने और बाइक की चाबी छीनने का आरोप लगाते हुए नजर आ रहा है वहीं टीआई युवक द्वारा बार-बार तुम शब्द के प्रयोग और उंगली दिखाकर बात करने पर आपत्ति जताते

दिखाई देते हैं विवाद बढ़ने पर दोनों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई पुलिस का कहना है कि युवक कोई वैध पहचान पत्र या वाहन संबंधी दस्तावेज नहीं दिखा सके पूछताछ के दौरान उसने स्वयं को आमदी क्षेत्र का निवासी बताया बाद में स्थानीय पार्षद से फोन पर पुष्टि करने के बाद युवक को महिला और बच्ची को ध्यान में रखते हुए जाने दिया गया तथा अगले दिन थाने में दस्तावेज जमा कराने और मुसाफिरी दर्ज कराने के निर्देश दिए गए। धमतरी के सीएसपी अभिषेक चतुर्वेदी ने बताया कि युवक अब तक थाने नहीं पहुंचा है और न ही उसने आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं।

नर्मदापुरम की 30 से अधिक कॉलोनियों में रविवार को चार घंटे बिजली बंद रहेगी

**मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम ( निप्र )।** मानसून से पहले बिजली व्यवस्था को मजबूत और सुचारू बनाए रखने के लिए बिजली कंपनी द्वारा शहर में मटेनेंस कार्य लगातार किया जा रहा है इसी क्रम में रविवार को शहर के ज़ोन-2 क्षेत्र अंतर्गत 33/11 केवी आनंदनगर सब स्टेशन पर आवश्यक रखरखाव और तकनीकी सुधार कार्य किया जाएगा इसके चलते शहर की 30 से अधिक कॉलोनियों में चार घंटे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। बिजली कंपनी के अनुसार रविवार सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक आनंदनगर सब स्टेशन से जुड़े क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। मटेनेंस कार्य का उद्देश्य आगामी बारिश के मौसम में बिजली आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखना और संभावित तकनीकी खराबियों को समय रहते दूर करना है बिजली कटौती से प्रभावित होने वाले प्रमुख क्षेत्रों में सिंधी कॉलोनी, संजय नगर, ग्वालटोली, आदमगढ़, लश्कर चौक, मीना चौक, गिन्नी कंपाउंड, गल्ला मंडी, तिवारी कॉलोनी, नारायण नगर, फॉरेस्ट डिपो, कोठी बाजार, आनंदनगर, नर्मदा विहार, गैरिज लाइन, सदर बाजार, बस स्टैंड, सतरस्ता और अमर चौक सहित कई अन्य इलाके शामिल हैं। चार घंटे तक बिजली आपूर्ति बंद रहने से हजारों उपभोक्ताओं को गर्मी के मौसम में असुविधा का सामना करना पड़ सकता है खासकर घरलू उपभोक्ताओं, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और छोटे व्यवसायों पर इसका असर पड़ने की संभावना है हालांकि बिजली कंपनी का कहना है कि यह कार्य उपभोक्ताओं के हित में किया जा रहा है ताकि मानसून के दौरान बार-बार बिजली बाधित होने की समस्या से राहत मिल सके।

शादी के 45वें दिन बाॅयफ्रेंड संग भागी दुल्हन

विवाह से किया इनकार तो ट्रेन के आगे कूदकर दी जान, बचाने आई नवविवाहिता भी गंभीर

**मीडिया ऑडीटर, छत्तीसगढ़ ( निप्र )।** छत्तीसगढ़ के बालोद में शादी के महज 45वें दिन नवविवाहिता अपने बाॅयफ्रेंड के साथ ससुराल से फरार हो गईं गर्लफ्रेंड के शादी करने से इनकार करने पर उसने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली वहीं बचाने के कोशिश में गर्लफ्रेंड भी गंभीर रूप से घायल हो गईं जिसे अस्पताल में भर्ती किया गया है। जांच में सामने आया कि ढाई साल पहले इंस्टाग्राम के जरिए दोनों की दोस्ती हुई थी घटना वाली रात बाॅयफ्रेंड शराब के नशे में गर्लफ्रेंड के ससुराल पहुंचा था और मिलने के बहाने उसे घर से ले गया था वहीं घटना के बाद

महिला ने पति और पुलिस को जानकारी दी जांच में यह भी सामने आया कि बाॅयफ्रेंड भी शादीशुदा था यह पूरी घटना महिला के ससुराल से करीब 20 किलोमीटर दूर की है फिलहाल पुलिस ने बाॅयफ्रेंड के शव का पोस्टमॉर्टम कराकर रिश्तेदारों को सौंप दिया है और रिश्तेदारों और अन्य लोगों के बयान दर्ज कर रही है पुलिस का कहना है कि जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी मामला बालोद थाना क्षेत्र का है। सिर में गंभीर चोट आने से मिथलेश को सौंप दिया है और रिश्तेदारों से मिथलेश की मौके पर ही मौत हो गई।



**मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम ( निप्र )।** जिले में निर्धारित मूल्य (एमआरपी) से अधिक कीमत पर शराब बेचने के मामलों में आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 11 शराब दुकानों पर कुल



14 लाख 25 हजार 634 रुपए का जुर्माना लगाया है उपभोक्ताओं से लगातार मिल रही शिकायतों और विभागीय जांच में ओवररैटिंग की पुष्टि होने के बाद यह कार्रवाई की गई हालांकि कार्रवाई के बावजूद

कई दुकानों पर अधिक कीमत वसूलने की शिकायतें अभी भी सामने आ रही हैं। जानकारी के अनुसार जिले में 1 अप्रैल से नई आबकारी नीति के तहत शराब दुकानों के नए ठेके लागू किए गए

थे इसके बाद विभिन्न क्षेत्रों से शिकायतें मिलने लगीं कि शराब दुकानों पर ग्राहकों से निर्धारित मूल्य से 20 से 50 रुपए तक अधिक राशि वसूली जा रही है उपभोक्ताओं द्वारा लगातार शिकायतें किए जाने पर जिला आबकारी अधिकारी के निर्देशन में जांच शुरू की गई आबकारी विभाग ने 1 अप्रैल से 6 मई तक प्राप्त शिकायतों की पड़ताल की जांच के दौरान कई दुकानों पर शराब की बोतलों को एमआरपी से अधिक कीमत पर बेचे जाने के प्रमाण मिले इसके आधार पर वर्ष 2026-27 की आबकारी नीति के प्रावधानों के

तहत संबंधित ठेकेदारों पर आर्थिक दंड लगाया गया कार्रवाई की जद में आई 11 दुकानों में सबसे अधिक 3 लाख 46 हजार रुपए का जुर्माना बनखेड़ी स्थित कम्पोजिट मदिरा दुकान पर लगाया गया है यह दुकान भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष अटल राय से जुड़े समूह के संचालन में बताई जा रही है इसके अलावा इसी समूह की तरोनकला और बीजनवाड़ स्थित दुकानों पर भी कार्रवाई की गई है जुर्माने की सूची में दूसरे स्थान पर पवारखेड़ स्थित शराब दुकान है जिस पर 3 लाख 15 हजार रुपए की पेनल्टी लगाई गई है।

# टिंबर मार्ट, ट्रक और दो मकानों पर छापे खंडवा में 144 संहिग्ध चट्टे और घरों से सागौन बरामद, ट्रक भी जब्त्

**मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)।** खंडवा में अवैध लकड़ी कारोबार के खिलाफ शुक्रवार को वन विभाग ने बड़ा अभियान चलाया। डीएफओ राकेश कुमार डामोर के निर्देश पर गुड़ी रेंज के अमले ने शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में चार अलग-अलग स्थानों पर छापामार कार्रवाई की है। इस दौरान अवैध रूप से संग्रहित वन उपज, बिना परमिट परिवहन कर रहा एक ट्रक और घरों से सागौन की अवैध चिरान जब्त् कर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किए गए हैं। अभियान के तहत वन अमले ने सबसे पहले खंडवा स्थित बालाजी टिंबर मार्ट का निरीक्षण किया।

प्रारंभिक जांच के दौरान यहां करीब 144 लकड़ी के चट्टे संहिग्ध और अवैध रूप से संग्रहित पाए गए। फिलहाल विभाग द्वारा लकड़ी से संबंधित अभिलेखों और वैध दस्तावेजों की जांच की जा रही है, जिसके बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई



हेगो।

**बिना परमिट लकड़ी ले जा रहा ट्रक पकड़ा:** टीम ने अपनी दूसरी कार्रवाई

में लकड़ी का परिवहन कर रहे एक ट्रक को रोका और दस्तावेजों की मांग की। जांच के दौरान वाहन चालक वैध

**दो घरों पर छापा, अवैध सागौन की चिरान जब्त्**

तीसरी कार्रवाई गांधवा-केदारखेड़ी मार्ग स्थित बृजेश पटेल के निवास पर की गई। घर की तलाशी के दौरान यहां से सागौन की अवैध चिरान बरामद हुई, जिसे तुरंत जब्त् कर लिया गया। वहीं, चौथी कार्रवाई गांधवा निवासी सुंदर विश्वकर्मा के घर पर हुई। यहां भी सागौन की अवैध चिरान मिलने पर जब्ती की गई है। अधिकारियों के अनुसार, दोनों मामलों में वन अधिनियम के तहत केस दर्ज किया जा रहा है।

**अवैध कटाई पर आगे भी जारी रहेगी सख्ती**

वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि वन उपज के अवैध परिवहन, कटाई और भंडारण में शामिल लोगों पर यह सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। विभाग ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि यदि उन्हें कहीं भी वन अपराध या अवैध लकड़ी कारोबार की जानकारी मिलती है, तो वे तत्काल इसकी सूचना निकटतम वन कार्यालय को दें।

अभिवहन (ट्रैजिट) पास प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद वन अमले ने ट्रक और उसमें लदी पूरी लकड़ी को जब्त् कर लिया

है। इस मामले में वन अपराध का प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

## सीहोर में रोजगार मेला 09 जून को

**मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)।** युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 09 जून को प्रातः 11 बजे सीहोरे स्थित प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एकसीलेस में युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला आयोजित किया जाएगा। रोजगार मेले में रोजगार विभाग द्वारा स्थानीय, प्रदेश एवं अन्य राज्यों की कंपनियों को आमंत्रित कर युवाओं को रोजगार प्रदान किया जायेगा। इसी प्रकार जिला व्यापार उद्योग केन्द्र द्वारा स्वरोजगार विभागों के स्वरोजगार प्राप्त हितधारियों को लाभांशित कर नये प्रकरण तैयार किये जाएंगे। आईटीआई विभाग द्वारा अप्रेंटिसशिप के लिये युवाओं को चयनित किया जाएगा।

## तस्करी का नया तरीका, बीड़ी के कार्टून में डोडाचूरा

**मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)।** मादक पदार्थों की तस्करी के तस्कर नए-नए तरीके अपना रहे हैं। रतलाम पुलिस ने बीड़ी के कार्टून में छिपाकर ले जा रहे नीमच के युवक के पास से 50 किलो से अधिक अवैध डोडा चूरा बरामद किया है। जिसकी कीमत 2.81 लाख रुपए है। जागरा औद्योगिक थाना प्रभारी प्रकाश गडरिया ने बताया शुक्रवार रात मुखबीर से सूचना मिली। सूचना के आधार पर जागरा में महु नीमच फोरलेन प्रेसिडेंट होटल के सामने जोगो तिराहे के पास पहुंचे। यहां एक व्यक्ति दो सफेद रंग के प्लास्टिक की थैली वाले चोकरा कार्टून में डोडाचूरा लेकर बस का इंतजार कर रहा था। पुलिस ने घेराबंदी कर युवक को पकड़ा। नाम पता पूछने पर सुनिल (26) पिता शंभुलाल मीणा निवासी भांडिया थाना मनासा जिला नीमच का रहने वाला बताया। इसके पास रखे कार्टून की तलाशी ली। कार्टून में दो प्लास्टिक के बोरो में चार खाखूरी रंग के 30 नंबर बीड़ी के फिट कार्टून अंदर से मादक पदार्थ डोडाचुरा मिला। वजन करने पर कुल 56.340 किलोग्राम निकला। जिसकी कीमत 2 लाख 81 हजार 700 रुपए है। एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज आरोपी को गिरफ्तार कर थाना औद्योगिक क्षेत्र जावरा ने आरोपी सुनिल मीणा के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया। आरोपी को शनिवार को कोर्ट में पेश किया। आरोपी का रिमांड प्राप्त कर अवैध मादक पदार्थ के खोत एवं अन्य आरोपियों के संबंध में पूछताछ की जाएगी।

## सिरोंज पॉलिटेक्निक महाविद्यालय ने रचा इतिहास, तीनों इंजीनियरिंग ब्रांचों में 100 प्रतिशत प्लेसमेंट

सिरोंज पॉलिटेक्निक महाविद्यालय ने वर्ष 2026 में एक ऊत्क्रेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए ससिवल, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग की तीनों शाखाओं में 100 प्रतिशत प्लेसमेंट का रिकॉर्ड बनाया है। विद्यार्थियों की इस सफलता ने न केवल महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया है, बल्कि क्षेत्र के तकनीकी शिक्षा संस्थानों के लिए भी एक नया मानक स्थापित किया है। महाविद्यालय की प्राचार्य भावना दांगी ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन तथा संस्थान के रोजगारोन्मुखी शैक्षणिक वातावरण के कारण यह सफलता संभव हो सकी है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय का उद्देश्य केवल तकनीकी शिक्षा प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष बनाकर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना भी है। प्लेसमेंट अधिकारी रागिनी अरजरिया ने बताया कि महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने इस वर्ष विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा आयोजित ओपन कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सुब्रोसे लिमिटेड में इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन शाखा से छोटू नायक एवं ऋतिक कुशवाह तथा ससिवल शाखा से हुकुम सिंह कुशवाह एवं मनोज कुशवाह का चयन हुआ। इसी प्रकार सिल्वर कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड में इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन शाखा के लखन सिंह, सोनम अहिरवार एवं उर्मिला कुशवाह का चयन किया गया। वहीं कृष्णा मारुति लिमिटेड में मनोज कुशवाह, हुकुम सिंह एवं निखिल बैरागी को रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ। महाविद्यालय प्रशासन ने इस उपलब्धि का श्रेय विद्यार्थियों की लगन, शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन तथा अभिभावकों के सहयोग को दिया है। संस्थान का मानना है कि गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा और उद्योगों से बेहतर समन्वय के माध्यम से युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं।

## 15 जून को अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठजन दुर्व्यवहार रोकथाम जागरूकता दिवस का होगा आयोजन

वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों, गरिमा, सुरक्षा एवं कल्याण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदेशभर में 15 जून को अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठजन दुर्व्यवहार रोकथाम जागरूकता दिवस मनाया जाएगा। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण संचालनालय ने इस संबंध में सभी जिलों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। दिवस के अवसर पर वृद्धाश्रमों, डे-केयर केंद्रों, शैक्षणिक संस्थानों तथा अन्य उपयुक्त स्थलों पर विविध जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें संगीच्छे, परिचर्चा, जागरूकता रैली, प्रभात फेरी, नुक्कड़ नाटक, सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण तथा वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह शामिल हैं। युवाओं और वरिष्ठजनों के मध्य संवाद को बढ़ावा देने के लिए अंतर-पीढ़ी संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। विभाग ने निर्देश दिए हैं कि कार्यक्रमों के माध्यम से वृद्धजनों के प्रति सम्मान, संवेदशीलता, पारिवारिक उत्तरदायित्व और सामाजिक सहभागिता का संदेश व्यापक रूप से प्रसारित किया जाए। इसके लिए स्थानीय समाचार-पत्रों, समुदायिक रेडियो, सोशल मीडिया तथा अन्य प्रचार माध्यमों का उपयोग किया जाएगा।

## सिवनी की बंजारी घाट में खाली ट्रक पलटा कार और बाइक को बचाने के चक्कर में हादसा

**मीडिया ऑडीटर,सिवनी ( निप्र)।** सिवनी जिले के घंसौर थाना क्षेत्र के बंजारी घाट पर रविवार दोपहर करीब 1 बजे एक खाली ट्रक होकर सड़क किनारे पलट गया। घंसौर से मंडला की ओर जा रहे इस ट्रक के पलटने से मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई, लेकिन हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। **सामने से आ रहे वाहनों को बचाने में बिगड़ा संतुलन:** प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बंजारी घाट के तीखे मोड़ पर सामने से एक कार और बाइक आ रही थी। इन्हें टक्कर से बचाने के लिए ट्रक ड्राइवर ने अचानक गाड़ी को मोड़ा, जिससे वाहन का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गया। लोगों का कहना है कि ड्राइवर की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। **क्रोन की मदद से ट्रक को हटाया:** हादसे के बाद बंजारी घाट मार्ग पर कुछ समय के लिए जाम जैसी स्थिति बन गई और यातायात प्रभावित हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही घंसौर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को सड़क से हटवाकर रास्ता साफ कराया और आवागमन सामान्य किया। **तीखे मोड़ों पर सावधानी बरतने की सलाह:** घंसौर पुलिस हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए मामले की जांच शुरू कर दी है। बंजारी घाट इलाके में बढ़ते ट्रैफिक और खतरनाक घुमावदार मोड़ों को देखते हुए पुलिस ने वाहन चालकों को रफ्तार धीमी रखने और विशेष सावधानी बरतने की हिदायत दी है।

## सागर में ट्रक और कार की भिड़ंत, 5 घायल:20 फीट तक घसीटा बागेश्वर धाम से लौट रहा था परिवार ओवरटेकिंग में हुआ हादसा



**मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)।** सागर जिले के जैसीनगर-भापेल रोड पर रविवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक और कार के बीच भीषण टक्कर हो गई। यह भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि ट्रक कार को करीब 20 फीट तक घसीटता हुआ ले गया। इस हादसे में कार सवार एक ही परिवार के 5 लोग घायल हो गए। गनीमत रही कि बाय में किसी की जान नहीं गई। घायलों को प्राथमिक

उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। जानकारी के अनुसार, जैसीनगर निवासी प्रदीप चौरसिया अपने परिवार के साथ छतरपुर स्थित बागेश्वर धाम दर्शन करने के लिए गए हुए थे। रविवार सुबह वे सभी कार से वापस अपने घर जैसीनगर लौट रहे थे। इसी दौरान जैसीनगर-भापेल रोड पर राजाखोय बड़े पुल के पास घाटी पर सामने से आ रहे एक ट्रक ने उनकी कार को जोरदार टक्कर

## मंदसौर में बीड़ी न देने पर युवक को चाकू मारे हाथ में 7 टांके आए, चाय की दुकान पर हुआ विवाद

**मीडिया ऑडीटर,मंदसौर (निप्र)।** मंदसौर के दलौदा कस्बे में शनिवार रात बीड़ी को लेकर हुए विवाद में एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया गया। घटना में 23 वर्षीय विजय नाथ घायल हो गया, जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है। **बीड़ी देने से इनकार पर बड़ी कहासुनी:** जानकारी के अनुसार, कुमारवाड़ा निवासी विजय नाथ (23) शनिवार रात दलौदा कृषि उपज मंडी रोड स्थित एक चाय की दुकान पर चाय पीने गया था। इसी दौरान सिराज नामक व्यक्ति वहां पहुंचा और विजय से बीड़ी मांगने लगा। परिजनों के मुताबिक, विजय द्वारा बीड़ी देने से मना करने पर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। **चाकू से किया हमला:** विवाद बढ़ने पर सिराज ने विजय पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में विजय के हाथ में गंभीर चोट आई। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने घायल युवक को तत्काल दलौदा थाने पहुंचाया। पुलिस ने घायल विजय को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां उसका उपचार जारी है। परिजनों ने बताया कि चाकू लगने से उसके हाथ में गहरा घाव हो गया है। चिकित्सकों ने घायल के हाथ में 7 से 8 टांके लगाए हैं।

# रायसेन में प्री-मानसून सक्रिय, 20 जून से पहले मानसून की दस्तक के संकेत

**मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)।** रायसेन में बीते 10 दिनों से आंधी, तूफान और बारिश का दौर जारी है। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 1 बजे 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज आंधी चली, जिसके बाद बारिश शुरू हो गई। बारिश सुबह तक जारी रही, जिससे शहर की सड़कें तरबतर हो गई और मौसम में ठंडक घुल गई। **कई इलाकों में बिजली गुल, गर्मी और उमस से राहत:** तेज आंधी और बारिश के दौरान कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति भी बाधित हुई। हालांकि, मौसम में आए बदलाव से लोगों को उमस और भीषण गर्मी से राहत मिली है। लगातार सक्रिय प्री-मानसून गतिविधियों के चलते दिन और रात के तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है।



रही है।

**शनिवार दोपहर को भी बदला था मौसम:** इससे पहले शनिवार दोपहर को भी मौसम ने कर्वट ली थी। तेज हवाओं के साथ आसमान में बादल छ गए थे और कई स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी हुई थी। मौसम के इस बदलाव ने

को भी कई क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई है। **20 जून से पहले मध्यप्रदेश पहुंच सकता है मानसून:** मौसम विभाग के मुताबिक, केरल के रास्ते देश में प्रवेश कर चुका मानसून अब तेजी से आगे बढ़ रहा है। सामान्य तौर पर केरल पहुंचने के करीब 15 दिन बाद मानसून मध्यप्रदेश में प्रवेश करता है। इस बार मानसून 4 जून को केरल पहुंच गया था, ऐसे में प्रदेश में इसकी दस्तक 20 जून से पहले होने की संभावना जताई जा रही है। लगातार आंधी, बारिश और बादलों की आवाजाही के कारण रायसेन सहित आसपास के क्षेत्रों में दिन और रात का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे बना हुआ है। विभाग ने रविवार

## नर्मदापुरम में हाईवे से 20 फीट नीचे गिरी कार ओवरटेक के दौरान बेकाबू होकर 4 बार पलटी

**मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)।** औबेदुल्लागंज-बैतुल नेशनल हाईवे पर नर्मदापुरम के ग्राम रायपुर के पास शनिवार रात करीब 9 बजे एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार हाईवे से करीब 20 फीट नीचे जा गिरी। दुर्घटना में नागपुर निवासी तीन महिलाओं और कार ड्राइवर को चोटें आई हैं। राहगीरों की मदद से सभी घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, घायल परिवार मूल रूप से महाराष्ट्र के नागपुर का रहने वाला है। यह परिवार भोपाल के एक अस्पताल में भर्ती अपने बीमार रिश्तेदार से मिलकर वापस नागपुर लौट रहा था। कार में तीन महिलाएं और एक पुरुष सवार थे। इसी दौरान ग्राम रायपुर के पास किसी वाहन को ओवरटेक करते समय कार का संतुलन बिगड़ गया। **4 बार पलटी खाई, राहगीरों ने किया रेस्क्यू:** प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बेकाबू होने के बाद कार ने करीब चार बार पलटी



खाई और 20 फीट नीचे जा गिरी। हादसे के तुरंत बाद वहां से गुजर रहे राहगीरों ने मदद की और क्षतिग्रस्त कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। एंबुलेंस की मदद से सभी को पहले जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें नर्मदा अपना अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया। **इन लोगों को आई हैं चोटें, परिजन नर्मदापुरम पहुंचे:** नर्मदा

अस्पताल के मनोज सारन ने बताया कि हादसे में वर्षा लेकवानी (48), अनिता उबरानी (50), मीरा जैसवानी (60) और ड्राइवर सोनू गडवार (40) घायल हुए हैं। अस्पताल के डॉ. रवि चट्टार, डॉ. सौरभ रघुवंशी और डॉ. नरेंद्र परिहार की टीम ने घायलों का इलाज किया है। घटना की सूचना तापमान 27 डिग्री और अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गए हैं।

## भेरून्दा में ढाई इंच से अधिक बारिश सीहोर जिले में प्री-मानसून एक्टिव

**मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)।** सीहोर नौतपा के बाद भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को रविवार को बड़ी राहत मिली। जिले के कई हिस्सों में गरज-चमक के साथ प्री-मानसून बारिश हुई, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई और मौसम सुहावना हो गया। ठंडी हवाओं के चलते लोगों को उमस और तपन से भी राहत मिली। **भेरून्दा में सबसे ज्यादा बारिश दर्ज:** मौसम विभाग के अनुसार, जिले में सबसे अधिक बारिश भेरून्दा में दर्ज की गई, जहां 2.52 इंच (करीब ढाई इंच) पानी बरसा। इसके अलावा बुधनी में 0.51 इंच और रेहटी में 0.18 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। जिला मुख्यालय और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। रविवार को दोपहर बाद मौसम का मिजाज

## 3 दिन के लिए ऑरेंज अलर्ट



अचानक बदला। आसमान में बादल छाने के बाद कई इलाकों में बारिश शुरू हो गई। बारिश के साथ चली ठंडी हवाओं ने गर्मी का असर कम कर दिया और मौसम में ठंडक घुल गई। **20 जून तक सक्रिय हो सकता है मानसून:** मौसम विज्ञान

केंद्र के अनुसार, केरल में 4 जून को पहुंचने के बाद कई इलाकों में बारिश तेजी से आगे बढ़ रहा है। सामान्य तौर पर मध्य प्रदेश में मानसून की एंट्री 15 जून के आसपास होती है, लेकिन मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस वर्ष सीहोर सहित भोपाल संभाग में

मानसून 20 जून तक पूरी तरह सक्रिय हो सकता है। **अगले 3 दिन के लिए ऑरेंज अलर्ट:** मौसम विभाग ने बताया कि वर्तमान में हो रही बारिश चक्रवातीय गतिविधियों से जुड़ी प्री-मानसून एक्टिविटी का हिस्सा है। विभाग ने अगले 2 से 3 दिनों तक सीहोर जिले में 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, गरज-चमक और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे मौसम की स्थिति को ध्यान में रखकर खरीफ फसलों की तैयारियां आगे बढ़ाएं। रविवार को जिले का न्यूनतम तापमान 27 डिग्री और अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

# वैभव सूर्यवंशी की एंट्री से बदलेगा प्लेइंग इलेवन का संतुलन

## गंभीर के सामने बड़ी चुनौती; किसकी जगह मिलेगा मौका



**नई दिल्ली एजेंसी।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज और एशियन गेम्स 2026 के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया है। इस टीम में सबसे ज्यादा चर्चा 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर हो रही है, जिन्हें पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। उनके चयन के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि उन्हें प्लेइंग इलेवन में किसकी जगह मौका मिलेगा और क्या टीम संयोजन में बदलाव देखने को मिलेगा। वैभव सूर्यवंशी का चयन उनके शानदार आईपीएल प्रदर्शन के आधार पर किया गया है, जहां उन्होंने 16 पारियों में 776 रन बनाए थे। उनका स्ट्राइक रेट 237.30 रहा, जिसने पूरे क्रिकेट जगत को चौंका दिया। उन्होंने इस सीजन में 72 छक्के लगाकर कई बड़े रिकॉर्ड तोड़ दिए, जिसमें क्रिस गेल का 59 छक्कों का रिकॉर्ड भी शामिल है। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी के

दम पर उन्होंने ऑरेंज कैप भी अपने नाम की थी। अब सवाल यह है कि उन्हें प्लेइंग इलेवन में किस पोजीशन पर शामिल किया जाएगा। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए माना जा रहा है कि वैभव सूर्यवंशी को ओपनिंग में उतारा जा सकता है। ऐसे में मुख्य कोच गौतम गंभीर के सामने बड़ा चयन संकट खड़ा हो गया है। यदि वैभव को ओपनिंग दी जाती है तो अभिषेक शर्मा के साथ उनकी जोड़ी बनाई जा सकती है। इस स्थिति में मौजूदा विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन की भूमिका पर सवाल खड़े हो सकते हैं। या तो उन्हें मध्यक्रम में भेजा जा सकता है या फिर उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर बैठना पड़ सकता है। टीम संयोजन को देखते हुए यह फैसला काफी अहम होगा क्योंकि यह सीधे बल्लेबाजी क्रम की स्थिरता को प्रभावित करेगा। भारतीय टीम 26 और 28 जून को आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच खेलेगी, जबकि इसके बाद 1 से 11 जुलाई तक इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज होगी। इसी दौरान यह तय माना जा रहा है कि वैभव सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय डेब्यू का मौका मिल सकता है। अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि गौतम गंभीर इस युवा खिलाड़ी को कैसे और किस रणनीति के तहत टीम में शामिल करते हैं और क्या वह अपनी विस्फोटक फॉर्म को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दोहरा पाते हैं या नहीं।

# गुलाबी गेंद के इस्तेमाल के पक्ष में गौतम गंभीर

## बोले- मैच का नतीजा निकलना सबसे जरूरी

**नई दिल्ली एजेंसी।** भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट में खराब रोशनी की स्थिति से निपटने के लिए गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का समर्थन किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा हाल ही में लिए गए फैसले का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि यदि किसी मैच का परिणाम निकालने का अवसर मौजूद हो तो उसे हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। टेस्ट क्रिकेट में अक्सर खराब रोशनी के कारण खेल रोकना पड़ता है, जिससे मैच का समय प्रभावित होता है और कई बार नतीजा भी नहीं निकल पाता। इसी समस्या के समाधान के लिए आईसीसी ने एक नया प्रयोग मंजूर किया है। इसके तहत पारंपरिक लाल गेंद से शुरू होने वाले टेस्ट मैचों में यदि रोशनी की समस्या पैदा होती है और दोनों टीमों सहमत हों, तो फ्लडलाइट टीमों में गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य खेल के अधिक से अधिक ओवर पूरे करना और मैच को परिणाम तक पहुंचाने की संभावना बढ़ाना है। आईसीसी बोर्ड की हालिया बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। नया नियम एक अक्टूबर से लागू होगा। इसके तहत लाल गेंद से खेल शुरू होगा, लेकिन रोशनी कम होने की स्थिति में गुलाबी गेंद का उपयोग कर मैच जारी रखा जा सकेगा। हालांकि इसके लिए दोनों टीमों की सहमति अनिवार्य होगी। अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच से पहले मीडिया से बातचीत में गौतम गंभीर ने कहा कि उन्हें यह फैसला बेहद पसंद आया है। उनके अनुसार क्रिकेट का



उद्देश्य केवल खेलना नहीं बल्कि परिणाम तक पहुंचना भी है। उन्होंने कहा कि यदि परिस्थितियां अनुमति देती हैं और दोनों टीमों तैयार हैं तो मैच को बीच में रोकने के बजाय वैकल्पिक व्यवस्था अपनाई जानी चाहिए। गंभीर ने इस फैसले के पीछे व्यावहारिक पहलुओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत को अगले वर्ष फरवरी-मार्च में घरेलू मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलनी है। इस श्रृंखला के कुछ मुकाबले पूर्वी भारत के शहरों में प्रस्तावित हैं, जहां सूर्यास्त अपेक्षाकृत जल्दी होता है। ऐसे में खराब रोशनी के कारण खेल

प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि कोई टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में हो और आखिरी टेस्ट मैच खराब रोशनी के कारण बिना नतीजे के समाप्त हो जाए, तो यह खेल और टीम दोनों के लिए निराशाजनक स्थिति होगी। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि एक ही मैच में लाल गेंद से गुलाबी गेंद में बदलाव खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना भी जरूरी है।

## श्रेयस अय्यर सफल कप्तान साबित होंगे -रोहित

**मुम्बई एजेंसी।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 प्रारूप के लिए कप्तान बनाये गये श्रेयस अय्यर की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनमें वो सभी खूबियां हैं जो सफल कप्तान में होनी चाहिये। ऐसे में कप्तान के तौर पर उनका कार्यकाल सफल रहेगा। रोहित के अनुसार कप्तान के तौर पर उन्हें आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में अच्छा अनुभव है जो उनके काम आयेगा। उन्होंने कहा है कि



अय्यर भारतीय टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और देश के

भावी कप्तान के रूप में एक शानदार कार्यकाल बिताएंगे। रोहित ने कहा कि श्रेयस को आईपीएल कप्तानी के अनुभवों का भी लाभ मिलेगा। रोहित ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स को 2024 का खिताब जिताने और फिर 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाने के उनके अच्छे रिकॉर्ड को देखते हुए, उन्हें पूरा विश्वास है कि वह भारतीय टीम की कप्तान संभालने के लिए तैयार हैं।

# श्रेयस अय्यर बने नए टी20 कप्तान

## चयनकर्ताओं के फैसले पर उठे सवाल

- न सूर्या जैसी विस्फोटकता, न हार्दिक जैसा ऑलराउंड खेल फिर भी क्यों मिला भरोसा



**नई दिल्ली एजेंसी।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे तथा एशियन गेम्स के लिए भारतीय टी20 टीम की घोषणा कर दी है। इस बार सबसे बड़ा बदलाव कप्तानी को लेकर देखने को मिला, जहां सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को टीम की कप्तान सौंप दी गई है। इस फैसले ने क्रिकेट हलकों में चर्चा तेज कर दी है, क्योंकि सूर्यकुमार यादव ने रोहित शर्मा के बाद टीम की कप्तानी संभाली थी और उनकी अगुवाई में भारत ने टी20 विश्व कप का खिताब भी अपने नाम किया था। टीम चयन में युवा चेहरों की भी जगह दी गई है, जिनमें वैभव सूर्यवंशी और प्रिंस यादव जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान कप्तानी परिवर्तन ने खींचा है। सवाल उठ रहा है कि आखिर श्रेयस अय्यर में ऐसा क्या देखा गया, जो उन्हें सीधे कप्तान बना दिया गया, जबकि वह लंबे समय से टी20 टीम से बाहर थे और आखिरी बार दिसंबर 2023 में भारत के लिए खेले थे। चयनकर्ताओं का मानना है कि अय्यर एक ऐसे बल्लेबाज और कप्तान हैं जो टीम को संतुलन प्रदान करते हैं। वह मिडिल ऑर्डर में स्थिरता लाते हैं और दबाव की परिस्थितियों में संयम के साथ खेलते हैं। हालांकि उनके खेल में सूर्यकुमार यादव जैसी विस्फोटक बल्लेबाजी या हार्दिक पांड्या जैसा ऑलराउंड योगदान नहीं है, फिर भी उनकी रणनीतिक समझ और नेतृत्व क्षमता उन्हें अलग बनाती है। इसके अलावा चयन प्रक्रिया में उम्र और भविष्य की

योजना भी अहम कारण रही है। 31 वर्षीय श्रेयस अय्यर को लंबी अवधि के कप्तान के रूप में देखा जा रहा है, जबकि 35 वर्षीय सूर्यकुमार यादव अपने करियर के अंतिम चरण में माने जा रहे हैं। हालिया फॉर्म भी इस निर्णय में एक कारक रहा।

आईपीएल में श्रेयस अय्यर का प्रदर्शन लगातार प्रभावशाली रहा है। उन्होंने पंजाब किंग्स के लिए पिछले सीजन में 604 रन बनाए थे और टीम को फाइनल तक पहुंचाया था। इसके बाद हालिया सीजन में भी उन्होंने 14 मैचों में 498 रन बनाकर अपनी निरंतरता साबित की। उनकी कप्तानी क्षमता भी आईपीएल में कई बार सामने आई है, जहां उन्होंने दबाव में टीम को मजबूती से संभाला। इन्हीं सभी कारणों के चलते चयनकर्ताओं ने श्रेयस अय्यर पर भरोसा जताते हुए उन्हें टी20 टीम की जिम्मेदारी सौंपी है। अब देखा होगा कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस भरोसे पर कितना खरा उतरते हैं और टीम को किस दिशा में आगे ले जाते हैं।

# 2027 विश्व कप हेतु विकेटकीपिंग को लेकर पठान ने रखा अपना पक्ष

- पहली पसंद राहुल और ईशान
- संजू सैमसन को भी बताया मजबूत दावेदार

**नई दिल्ली एजेंसी।** भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने 2027 क्रिकेट विश्व कप को लेकर भारतीय टीम की संभावित विकेटकीपिंग रणनीति पर अपने विचार साझा किए हैं। उनका मानना है कि आगामी विश्व कप के लिए केएल राहुल और ईशान किशन भारत की पहली पसंद के विकेटकीपर-बल्लेबाज हो सकते हैं। साथ ही उन्होंने संजू सैमसन को भी एक मजबूत विकल्प बताया है। दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे की संयुक्त मेजबानी में होने वाले 2027 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के पास विकेटकीपर की भूमिका निभाने वाले कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। ऐसे



में टीम प्रबंधन के सामने चयन को लेकर दिलचस्प चुनौती रहने वाली है।

एक बातचीत के दौरान इरफान पठान ने कहा कि उनकी प्राथमिकता सूची में केएल राहुल सबसे ऊपर हैं। उनके अनुसार राहुल एक ऐसे विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं जो मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने के साथ-साथ टीम की जरूरत के अनुसार विभिन्न भूमिकाएं निभा सकते हैं। पठान ने राहुल को

बहुमुखी खिलाड़ी बताते हुए कहा कि वह टीम संतुलन के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण हैं। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर का मानना है कि ईशान किशन भी विश्व कप योजनाओं का अहम हिस्सा हो सकते हैं। उनके मुताबिक टीम को ऐसे बल्लेबाज की जरूरत होती है जो शीर्ष क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी कर सकें और तेज गेंदबाजों की शॉर्ट गेंदों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकें। इस कारण ईशान किशन को भी मजबूत

दावेदार माना जाना चाहिए।

हालांकि पठान ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि टीम में अतिरिक्त स्थान उपलब्ध होता है तो संजू सैमसन को अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सैमसन ने जब भी वनडे क्रिकेट में मौका पाया है, उन्होंने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उनके अनुसार संजू अब पहले की तुलना में अधिक परिपक्व बल्लेबाज बन चुके हैं और दबाव की परिस्थितियों में लंबी पारियां खेलने की क्षमता विकसित कर चुके हैं। संजू सैमसन का वनडे रिकॉर्ड भी उनके पक्ष में जाता है। उन्होंने अब तक 16 एकदिवसीय मुकाबलों में 56.66 की शानदार औसत और लगभग 100 के स्ट्राइक रेट से 510 रन बनाए हैं। सीमित अवसरों के बावजूद उनका प्रदर्शन लगातार प्रभावशाली रहा है। दूसरी ओर केएल राहुल पिछले कुछ वर्षों में भारत के प्रमुख विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में स्थापित हुए हैं। विशेष रूप से 2023 विश्व कप से

पहले उन्होंने इस भूमिका में अपनी जगह मजबूत की थी। विकेटकीपिंग और मध्यक्रम की जिम्मेदारी संभालने के बाद उनके प्रदर्शन में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। राहुल ने हाल के समय में भी अपनी उपयोगिता साबित की है। न्यूजीलैंड के खिलाफ इस वर्ष खेली गई वनडे श्रृंखला में उन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए राजकोट में नाबाद 112 रन की पारी खेली थी। वर्ष 2025 में उनका औसत 52.42 रहा, जो उनकी निरंतरता को दर्शाता है। 2027 विश्व कप अभी दूर है, लेकिन इरफान पठान के बयान से साफ है कि भारतीय टीम के विकेटकीपर चयन को लेकर प्रतिस्पर्धा काफी रोचक रहने वाली है। केएल राहुल, ईशान किशन और संजू सैमसन जैसे खिलाड़ियों के बीच चयनकर्ताओं के सामने कई मजबूत विकल्प मौजूद हैं, जो भविष्य में भारतीय टीम को और अधिक संतुलन प्रदान कर सकते हैं।

# अगले दो दशक तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दबदबा बनाना चाहते हैं वैभव



**मुम्बई एजेंसी।** 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भारतीय टी20 टीम में जगह मिलने पर सूची में केएल राहुल सबसे ऊपर हैं। उनके अनुसार राहुल एक ऐसे विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं जो मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने के साथ-साथ टीम की जरूरत के अनुसार विभिन्न भूमिकाएं निभा सकते हैं। पठान ने राहुल को

बहुमुखी खिलाड़ी बताते हुए कहा कि वह टीम संतुलन के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण हैं। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर का मानना है कि ईशान किशन भी विश्व कप योजनाओं का अहम हिस्सा हो सकते हैं। उनके अनुसार राहुल एक ऐसे विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं जो मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने के साथ-साथ टीम की जरूरत के अनुसार विभिन्न भूमिकाएं निभा सकते हैं। पठान ने राहुल को

# राहुल-गिल के शतकों से चमका भारत

## मुल्लापुर टेस्ट के पहले दिन अफगानिस्तान पर बनाया दबदबा

**मुल्लापुर एजेंसी।** मुल्लापुर स्थित महाराजा यादविंद सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के शुरुआती दिन भारतीय बल्लेबाजों का दबदबा देखने को मिला। केएल राहुल और कप्तान शुभमन गिल के शानदार शतकों की बदौलत भारत ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट के नुकसान पर 368 रन बनाकर मजबूत स्थिति हासिल कर ली।

भारत और अफगानिस्तान के बीच पहला टेस्ट मैच शनिवार को शुरू हुआ। दोनों टीमों के बीच यह



मैच मुल्लापुर के महाराजा यादविंद सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। मैच के पहले दिन भारत ने

अपनी पहली पारी में 3 विकेट के नुकसान पर 368 रन बनाये हैं। कप्तान शुभमन गिल 103 और ऋषभ

पंत 50 रनों पर नाबाद हैं। गिल ने 143 गेंदों में 11 चौके और एक छक्के की सहायता से 103 रन बनाये हैं। वहीं ऋषभ पंत ने 70 गेंदों में 2 चौके और तीन छक्के की मदद से 50 रन बनाये हैं। शुभमन गिल का ये 11वां टेस्ट शतक रहा। भारतीय टीम की पहली पारी में शुरुआत उतनी अच्छी नहीं रही। यशस्वी जायसवाल सिर्फ 24 रन बना सके और उन्हें मोहम्मद सलीम सफ़ी ने आउट किया। यशस्वी के आउट होने के वक्त भारत का स्कोर 41-1 था। इसके बाद केएल राहुल और साई सुदर्शन ने भारतीय टीम को संभाला। दोनों ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 139 रनों की साझेदारी की।

# अजीत अगरकर का बड़ा बयान-वैभव सूर्यवंशी को फिलहाल सिर्फ टी20 में मौका

## टेस्ट करियर पर लगाई ब्रेक

**नई दिल्ली एजेंसी।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के टेस्ट करियर को लेकर स्थिति स्पष्ट कर दी है। पहली बार भारतीय टी20 टीम में शामिल किए गए वैभव को लेकर जब उनके टेस्ट भविष्य पर सवाल पूछा गया, तो अगरकर ने इसे सिरे से खारिज करते हुए कहा कि फिलहाल उनका चयन केवल छोटे प्रारूप यानी टी20 क्रिकेट के लिए किया गया है। अजीत अगरकर ने साफ कहा कि वैभव अभी बहुत युवा हैं और रेड बॉल क्रिकेट में उनका अनुभव सीमित है। उन्होंने कहा कि घरेलू क्रिकेट में अधिक मैच खेलने और लंबे प्रारूप में खुद को तैयार करने के बाद ही उनके टेस्ट करियर पर विचार किया जाएगा। अगरकर के अनुसार, "अभी जल्दबाजी करने की जरूरत नहीं है, उन्हें धीरे-धीरे आगे बढ़ने दिया जाएगा।" उन्होंने आगे वैभव की प्रतिभा की जमकर



सराहना की और कहा कि लगातार दो आईपीएल सीजन और अंडर-19 क्रिकेट में उनके प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। अगरकर ने माना कि उनकी क्षमता और निरंतरता ने ही उन्हें टीम इंडिया में जगह दिलाई है।

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने नाम की थी।

